PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 24 ● भिलाई, सोमवार 10 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में भारी बारिश का कहर, नाले में बह गया युवक, तलाश जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के सरिता विहार थाना इलाके के प्रियंका कैंप में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक युवक नाले में बह गया. वही इस घटना की सूचना मिलते ही युवक के परिजन मौके पर पहुंचे. युवक की तलाश शुरू कर दी गई है. इसके बाद जब उसका पता नहीं चला तो तुरंत इसकी सूचना दिल्ली पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंचे दिल्ली पुलिस और गोताखोरों की टीम ने युवक की तलाश शुरू कर दी लेकिन अभी तक युवक का कहीं पता नहीं चल पाया है. फिलहाल गोताखोरों की टीम के द्वारा युवक की तलाश की जा रही है. राजधानी दिल्ली में बीते शुक्रवार को मूसलाधार बारिश हुई है. इस बारिश में दिल्ली पूरी तरह पानी पानी हो गई. दिल्ली की सड़क और दिल्ली के कई कॉलोनी में 3 से 4 फीट का जलभराव देखा गया इस दौरान यातायात पूरी तरह ठप हो गया. इसी कड़ी में मदनपुर खादर इलाके के प्रियंका कैंप में एक युवक फ्लड के नाले में बह गया. आसपास के लोगों ने उसे बचाने की भरसक कोशिश की, मगर नाले का पानी का बहाव इतना तेज था कि युवक चंद मिनट में ही बह गया.

48 लाख की जमीन के लिए जीजा की हत्या, साला समेत चार गिरफ्तार

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में कोतवाली नगर के लोलेपुर चौहानी में मो. शाकिब हत्याकांड का पुलिस ने शनिवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने जमीन के लालच में हत्या किए जाने का दावा करते हुए मृतक के साले समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार शाकिब ने हाईवे किनारे स्थित पांच बिस्सा जमीन का 48 लाख रुपये में सौदा किया था। दो लाख रुपये एडवांस लेने के बाद शेष रकम बैनामा के समय मिलनी थी। इसी रकम को लेकर हत्या की साजिश रची गई। पुलिस के मुताबिक मो. शाकिब बचपन से अपने ननिहाल लोलेपुर चौहानी में रहता था। उसकी नानी ने उसे पक्का मकान और हाईवे किनारे पांच बिस्सा जमीन दी थी। शाकिब ने जमीन को 48 लाख रुपये में बेचने का एग्रीमेंट किया था। इसके लिए उसने नया बैंक खाता खुलवाया था और मामा के बेटे अदीब अनवर उर्फ गोलू को नॉमिनी बनाया था। पुलिस का कहना है कि जमीन की बिक्री की जानकारी शाकिब की पत्नी शब्बो को हुई तो उसने अपने भाइयों को इसकी जानकारी दी।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी पीएमएसवाई सड़क

फ्तेहपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माण हुई बुदवन, बरकतपुर, अल्लीपुर भादर, प्रेमनगर मार्ग को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे होने से आवागमन जोखिम भरा बना हुआ है और बारिश के कारण कई स्थानों पर पानी भर जाने से हादसे की आशंका बनी रहती है। बताया जाता है कि 12.390 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण 21 मई 2022 को लगभग 1286.37 लाख रुपये की लागत से कराया गया था।

जेपीएससी परीक्षा रद्द करने को तैयार, सीबीआई जांच पर अभी भी फंसा पेच

16 दिन के छात्र आंदोलन के बाद झुकी झारखंड सरकार

नई दिल्ली/ एजेंसी

झारखंड में छात्रों का आंदोलन आखिरकार रंग लाता दिख रहा है। लगातार 16 दिनों से जारी विरोध-प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार झारखंड लोक सेवा आयोग की पीटी परीक्षा रद्द करने के लिए तैयार हो गई है। इसके साथ ही सरकार बैकलॉग पेपरों में अनियमितता के आरोपों की जांच सीआईडी और प्रवर्तन निदेशालय से कराने पर भी सहमत हो गई है। राज्य सरकार ने छात्रों की अधिकांश मांगें मान ली हैं, हालांकि सीबीआईजांच को लेकर उनकी मांग पर अभी भी गतिरोध बना हुआ है। हालांकि झारखंड सरकार अभय तिवारी द्वारा दी गई सभी परीक्षाओं को रद्द करने के लिए तैयार नहीं है। तिवारी परीक्षा में हुई अनियमितताओं के मामले में आरोपियों में से एक हैं, और कथित तौर पर उन्होंने पिछले 13 वर्षों में 12 परीक्षाएं पास की हैं। राज्य सरकार ने इन बिंदुओं की जानकारी छात्रों के मुख्य संगठन को दे दी है और उनकी कई मांगों को स्वीकार भी कर लिया है। सरकार ने यह भी भरोसा दिलाया है कि 90 दिनों के भीतर इस मामले में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल कर दिया जाएगा। इस बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि जेपीएससी परीक्षा में हुई अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों को न्याय जरूर मिलेगा, जबकि इन गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार लोगों को कठोरतम सजा दी जाएगी। सोरेन ने विपक्षी दलों पर भी

निशाना साधते हुए कहा कि वे सच और झूठ को मिलाकर युवाओं को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। झारखंड में छात्रों का यह आंदोलन आज अपने 16वें दिन में प्रवेश कर गया है। छात्र जेपीएससी में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलनरत हैं और 19 अप्रैल को हुई परीक्षा को रद्द करने, अनियमितताओं की सीबीआई जांच कराने और व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। इसी बीच एक सीआईडी टीम ने जेपीएससी के तीन मौजूदा सदस्यों को समन जारी किया है और कथित अनियमितताओं को लेकर उनसे पूछताछ करेगी। आंदोलन को लेकर बोलते हुए सोरेन ने कहा कि युवाओं को न्याय मिलेगा। एक सार्वजनिक रैली में उन्होंने कहा, हमारे युवा अपने अधिकारों का दावा करने के लिए विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। यह हमारी सरकार के कदमों की वजह से ही है कि उन्हें आगे आने, प्रदर्शन करने और अपना हक मांगने का साहस मिला है, क्योंकि हमने ही गड़बड़ी को उजागर किया है। युवाओं को न्याय मिलेगा, और गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों को कठोरतम सजा दी जाएगी... इस मामले को राजनीतिक चश्मे से देखने या राजनीतिक संरक्षण की तलाश करने की कोई जरूरत नहीं है। झारखंड के मुख्यमंत्री ने आगे विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वे युवाओं को गुमराह कर रहे हैं।

90 दिनों के भीतर चार्जशीट होगी दाखिल: मंत्री सुदिव्य

जेपीएससी जेएससीसी उम्मीदवारों के विरोध-प्रदर्शन के बीच उम्मीदवारों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद झारखंड सरकार में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज तीसरे दिन की वार्ता और व्यापक विचार-विमर्श के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देशों पर सरकार ने तय किया कि 14वीं जेपीएससी और 2023-25 की बैकलॉग भर्तियों से जुड़ी अनियमितताओं को दो तरीके से देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि आपराधिक पहलुओं की जांच सीआईडभ् करेगी। इसके अलावा वित्तीय असर और अवैध वित्तीय लेन-देन के सबूतों को देखते हुए श्वष्ठ से जांच कराने का अनुरोध किया जाएगा। इसके बाद एक फ्रास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाई जाएगी और 90 दिनों के भीतर आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

प्रधान ने इस्तीफा के बाद पहली बार तोड़ी चुप्पी

जेन जे हमारे बच्चे,गुमराह किए गए-धर्मेंद्र प्रधान........

नई दिल्ली। धर्मेंद्र प्रधान ने नीट पेपर लीक विवाद पर शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफे के बाद पहली बार सार्वजनिक तौर पर अपनी चुप्पी तोड़ी. संबलपुर के सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान जेन जी को गुमराह करने की कोशिशें की गईं. लेकिन पद उनके लिए कभी महत्वपूर्ण नहीं रहा. उन्होंने कहा कि खुद पीएम से अपने इस्तीफे की पेशकश की थी. कॉकरोच पार्टी प्रोटेस्ट के बाद इस्तीफा देने वाले पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि जेन जी हमारे ही बच्चे हैं. कुछ लोगों के द्वारा वे लोग गुमराह हो रहे है. दिल्ली के जंतर-मंतर पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के मुद्दे को लेकर हुए भारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच पद छोड़ने के करीब दो हफ्ते बाद पहली बार सार्वजनिक तौर पर अपनी चुप्पी तोड़ी.

धार में भीषण सड़क हादसा

उज्जैन फोरलेन पर रॉन्ग साइड से आए ट्रॉले ने वैन को मारी टक्कर,6 श्रद्धालुओं की मौत.......

नई दिल्ली। धार जिले के बदनावर में रविवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। पंचकवास गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर रॉन्ग साइड से आ रहे एक ट्रॉले ने सामने से मारुति ईको वैन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन पूरी तरह पिचक गई और उसमें सवार छह श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। सभी मृतक गुजरात के वडोदरा के रहने वाले बताए जा रहे हैं और उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर वापस गुजरात लौट रहे थे। हादसा रविवार दोपहर करीब 1 बजे पंचकवास गांव के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रॉला रॉन्ग साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही मारुति ईको वैन से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद वैन की हालत इतनी खराब हो गई कि उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही बदनावर टीआई अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्य में पुलिस की मदद की। वैन में फंसे शवों को

बाहर निकालने के लिए वाहन की बॉडी को काटना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शी बताया कि अचानक तेज आवाज सुनाई दी। घर से बाहर निकलकर देखा तो सड़क पर भीषण दुर्घटना हो चुकी थी और वैन में कई लोग फंसे हुए थे। उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने ग्राइंडर की मदद से वैन के गेट और बॉडी को काटकर शवों को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, हादसे में शामिल ट्रॉला लक्ष्39 ष्ठक्र 9248 रॉन्ग साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था। ट्रॉले में लोहे का सामान भरा हुआ था। वहीं, मारुति ईको वैन लक्ष्17 ष्ट्व 6134 उज्जैन से गुजरात की ओर जा रही थी। हादसे के बाद ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर राजीव रंजन मीणा, एसपी सचिन शर्मा और एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरकर भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

छात्राओं से अभद्रता के आरोप में नेत्र सहायक अधिकारी निलंबित, विभागीय जांच के निर्देश

कोरिया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घुघरा, विकासखंड सोनहत की छात्राओं के नेत्र परीक्षण के दौरान अभद्रता के आरोप में स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में पदस्थ नेत्र सहायक अधिकारी आर.बी. दिवाकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, विद्यालय की छात्राओं ने नेत्र परीक्षण के दौरान आर.बी. दिवाकर पर अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगाए थे। शिकायत की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने तत्काल विद्यालय पहुंचकर छात्राओं और संस्था प्रभारी की मौजूदगी में मामले की जांच के निर्देश दिए। इसके बाद खंड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत ने छात्राओं के बयान उनके पालकों के सामने दर्ज किए। छात्राओं के लिखित एवं मौखिक कथनों के आधार पर प्रथम दृष्टया आर.बी. दिवाकर द्वारा नेत्र परीक्षण के दौरान अभद्रता किया जाना प्रतीत हुआ। मामले को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 का उल्लंघन मानते हुए कार्रवाई की गई है। संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, सरगुजा संभाग डॉ. अनिल कुमार शुक्ला द्वारा जारी आदेश में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत आर.बी. दिवाकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सूरजपुर निर्धारित किया गया है। उन्हें बिना लिखित अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नियमानुसार उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। विभाग ने मामले में आगे की कार्रवाई के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कोरिया को संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध आरोप पत्र, आरोप विवरण, अभिकथन पत्र, दस्तावेज और गवाहों की सूची 7 दिनों के भीतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि नियमानुसार विभागीय जांच के लिए समिति गठित की जा सके। स्वास्थ्य विभाग का यह आदेश 7 अगस्त 2026 से तत्काल प्रभावशील किया गया है।

भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ पर भावुक हुए मोदी

राष्ट्रनायकों को किया याद साहस को किया सलाम...

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन'की 84वीं वर्षगांठ के मौके पर इसमें हिस्सा लेने वाले राष्ट्रनायकों और अमर सेनानियों को याद किया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि आंदोलन में भाग लेने वालों का साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा। पीएम ने महात्मा गांधी को भी याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऐतिहासिक 'भारत छोड़ो आंदोलन' में भाग लेने वाले सभी लोगों को याद करते हैं। उनका

साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा। महात्मा गांधी के नेतृत्व से प्रेरित होकर 'भारत छोड़ो' के आह्वान ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा का संचार किया और औपनिवेशिक शासन से मुक्त होने के हमारे लोगों के अटूट संकल्प को दर्शाया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने पोस्ट किया, भारत छोड़ो आंदोलन' की वर्षगांठ पर उन सभी राष्ट्रनायकों और अमर सेनानियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि, जिन्होंने स्वतंत्र भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। महात्मा गांधी का 'करो या मरो' का आह्वान उस दौर में करोड़ों भारतीयों के लिए साहस और संकल्प की आवाज बना। उन्होंने लिखा, इस आंदोलन में असंख्य ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों ने जेल यातनाएं सहीं, संघर्ष किया और अपने प्राणों का बलिदान दिया।

बारिश से देशभर में हाहाकार

असम में बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 100 के पार पहुंचा

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के कई हिस्सों में बारिश का कहर कम हुआ, लेकिन तबाही अब भी बरकरार है। असम में एक और व्यक्ति की मौत के साथ मृतकों की संख्या 100 के पार तक पहुंच गई है। हिमाचल प्रदेश में 153 सड़कें अवरुद्ध हो गईं। उधर, केरल में सैकड़ों लोग राहत शिविरों में फंसे हैं क्योंकि उनके घर और सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। असम में बाढ़ से 1.55 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य के पूर्वी हिस्से के चार जिले सर्वाधिक प्रभावित हैं। सरकार रविवार से बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन शुरू करेगी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार चार दिन से हो रही बारिश के बीच शनिवार पिछले तीन साल में अगस्त का सबसे ज्यादा बारिश वाला दिन दर्ज किया, जिसमें 98.7 मिमी बारिश हुई। महीने के पहले आठ दिनों में ही कुल बारिश का आंकड़ा मासिक औसत के करीब पहुंच गया। हिमाचल प्रदेश में मूसलधार बारिश के कारण 153 सड़कें बंद हो गईं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, कई हिस्सों में बिजली व पानी आपूर्ति ठप हो गई। 30 जून को मानसून शुरू होने के बाद से अब तक बारिश से संबंधित घटनाओं में राज्य में 65 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें 14 जानें भूस्खलनों में गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि राज्य को वजह से अबतक 834 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस बीच खराब मौसम और अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की भविष्यवाणी के चलते शनिवार को जम्मू से अमरनाथ यात्रा

निलंबित कर दी गई। राजौरी जिले में एक दुखद घटना में, एक 17 वर्षीय लड़की की मौत हो गई जब उसे अस्पताल ले जाने वाला वाहन कई घंटों तक कीचड़ में फंस गया, जो हाल की भारी बारिश के कारण भूस्खलन से क्षतिग्रस्त सड़क पर था। केरल में शनिवार को भी बारिश जारी रही। हालांकि कई क्षेत्रों में बाढ़ का पानी धीरे-धीरे घट रहा है। सैकड़ों लोग अभी भी राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं क्यों घरों में अभी भी पानी भरा है। अलप्पुझा और कोट्टायम जिले में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। नगालैंड के दीमापुर जिले के कई निचले क्षेत्रों में लगातार भारी बारिश के बाद बाढ़ आ गई। इससे सामान्य जीवन बुरी तरह बाधित हुआ जबकि बाढ़ से एक छात्रा की मौत हो गई। राजस्थान के कई क्षेत्रों में भी भारी बारिश दर्ज की गई, क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहा। मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि अगले सप्ताह के दौरान पूर्वी राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में मानसून की स्थिति सक्रिय रहने की संभावना है। इस बीच, आईएमडी ने अगले 24 घंटों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई स्थानों और राज्य के पूर्वी हिस्सों में अलग-अलग स्थानों पर बारिश की भविष्यवाणी की है।

असम में बाढ़: मुख्यमंत्री साय ने मुख्यमंत्री सरमा से चर्चा के बाद 5 करोड़ देने का लिया निर्णय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने असम में बाढ़ से उत्पन्न गंभीर परिस्थितियों को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से दूरभाष पर चर्चा की. उन्होंने इस कठिन समय में असम के लोगों के साथ छत्तीसगढ़ की जनता की प्रतिबद्धता जताते हुए छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 5 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान करने की बात कही. बता दें कि असम में बाढ़ की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है. राज्य में इस साल बाढ़ से मरने वाले लोगों की संख्या 99 हो चुकी है, वहीं 1 लाख 47 हजार से ज्यादा लोग अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं.

राजधानी रायपुर और न्यायधानी बिलासपुर में सामाजिक भवन की मांग को लेकर मुस्लिम मनिहार जमात छत्तीसगढ़ ने उठाई आवाज़

प्रदेश अध्यक्ष वसीम चौधरी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से समाज हित में शीघ्र निर्णय लेने की मांग

बिलासपुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर और न्यायधानी बिलासपुर में मुस्लिम मनिहार जमात समाज के लिए सामाजिक भवन की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर समाज ने एक बार फिर अपनी आवाज़ बुलंद की है। मुस्लिम मनिहार जमात छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष वसीम चौधरी के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार के समक्ष ज्ञापन प्रस्तुत कर समाज के लिए स्थायी सामाजिक भवन हेतु भूमि आवंटन एवं लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की है।

समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि मुस्लिम मनिहार जमात छत्तीसगढ़ में वर्षों से सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक योगदान देता आ रहा है। समाज के हजारों परिवार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में निवास करते हैं, लेकिन आज भी समाज के पास ऐसा कोई स्थायी सामाजिक भवन उपलब्ध नहीं है, जहां विवाह, शैक्षणिक कार्यक्रम, सामाजिक बैठकें और समाज कल्याण से जुड़े आयोजन गरिमापूर्ण तरीके से किए जा सकें।

राजधानी रायपुर में सामाजिक भवन के लिए भूमि आवंटन की मांग लंबे समय से लंबित है। वहीं न्यायधानी बिलासपुर में भी समाज को आवंटित भूमि की प्रक्रिया पूरी कर सामाजिक

भवन निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने की मांग की गई है।

समाज का कहना है कि सामाजिक भवन केवल एक इमारत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए शिक्षा, संस्कार, एकता और सामाजिक विकास का केंद्र होगा। यह भवन समाज के जरूरतमंद परिवारों, युवाओं और विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इसके साथ ही मुस्लिम मनिहार समाज ने हक्रष्ट जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल करने की मांग भी रखी है। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि शासन द्वारा पिछड़ा वर्ग में शामिल होने के बावजूद प्रमाण पत्र बनाने की जटिल प्रक्रिया के कारण समाज के अनेक लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष वसीम चौधरी ने कहा कि समाज की मांग किसी एक व्यक्ति या संगठन की मांग नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के भविष्य और सामाजिक विकास से जुड़ा विषय है। सरकार से अपेक्षा है कि समाज की वर्षों पुरानी मांगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार कर जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

मुस्लिम मनिहार जमात छत्तीसगढ़ ने विश्वास जताया है कि राज्य सरकार समाज की भावनाओं को समझते हुए राजधानी रायपुर और न्यायधानी बिलासपुर में सामाजिक भवन हेतु आवश्यक कदम उठाएगी, जिससे समाज को अपनी सामाजिक गतिविधियों के लिए एक स्थायी मंच मिल सके।

दुर्ग जिले में 9 से 17 अगस्त तक चलेगा 'हर घर तिरंगा' अभियान

'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर होंगे विभिन्न आयोजन, नागरिकों को घरों पर तिरंगा फहराने के लिए किया जाएगा प्रेरित

दुर्ग। जिले में 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'वंदे मातरम के 150 वर्ष' पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रखी गई है। अभियान के तहत जिले के नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ ही राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के सामूहिक एवं व्यक्तिगत गायन के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना को और मजबूत करना है। बजरंग दुबे बनाए गए नोडल अधिकारी- 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' के अंतर्गत जिले में प्रस्तावित विभिन्न गतिविधियों के सुचारू संचालन एवं समन्वय के लिए जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में अभियान से जुड़ी गतिविधियों का संचालन एवं निगरानी की जाएगी।जिलेवासियों से अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने और अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय एकता एवं देशभक्ति की भावना को मजबूत करने की अपील की गई है।

तीन दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी प्रतियोगिता 21 से

धमतरी। बसंत फाउण्डेशन कुरूद द्वारा 21 से 23 अगस्त को जिला स्तरीय तीन दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम छत्रपति शिवाजी मराठा मंगल भवन धमतरी में किया जा रहा है जिसमें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित चित्रकार बसंत साहू की पेंटिंग प्रदर्शनी, साथ ही स्कूल, कॉलेज व दिव्यांग बच्चों के भी चित्रकला की प्रतियोगिता रखी गई है। उक्त प्रतियोगिता में जिन्हें हिस्सा लेना हो वे पंजीयन हेतु मोबाईल नंबर 7999692650 पर संपर्क कर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

बढ़ते बिजली बिल, स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का हल्ला बोल

धमतरी। बढ़ते बिजली बिल और स्मार्ट मीटर के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शहर के बिजली कार्यालय पहुंचे और कार्यालय का घेराव कर सरकार तथा बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में अधिक बिजली बिल मिल रहे हैं, जिससे आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लगातार बढ़ते बिजली बिलों से आम जनता, किसान और मध्यम वर्गीय परिवार परेशान हैं। लेकिन सरकार उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में लालटेन लेकर पहुंचे और इसे बढ़ती महंगाई व बिजली व्यवस्था के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध बताया। प्रदर्शन को देखते हुए बिजली कार्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि बढ़े हुए बिजली बिलों में सुधार नहीं किया गया और स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतों का समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारीए कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में 13 म्यूल बैंक खाताधारक गिरफ्तार

कमीशन के लालच में बैंक खाते, पासबुक, एटीएम, चेकबुक और सिम कार्ड उपलब्ध कराने का खुलासा

भिलाई। साइबर ठगी की रकम के लेन-देन और उसे छिपाने के लिए बैंक खातों का इस्तेमाल करने के मामले में दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने थाना सुपेला और थाना भिलाई नगर क्षेत्र से कुल 13 म्यूल बैंक खाताधारकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। जांच में इन बैंक खातों के माध्यम से 10 लाख रुपये से अधिक की संदिग्ध राशि का ट्रांजेक्शन सामने आया है।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर साइबर अपराध एवं म्यूल बैंक खातों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सुपेला, थाना भिलाई नगर और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने कमीशन के लालच में अपने अथवा अन्य व्यक्तियों के बैंक खातों को साइबर ठगी से प्राप्त रकम के लेन-देन और हस्तांतरण के लिए उपलब्ध कराया था।

2 से 15 हजार रुपये तक लेते थे कमीशन- जांच में सामने आया कि बैंक खाताधारक 2 हजार से 15 हजार रुपये तक के कमीशन के बदले अपने बैंक खातों से संबंधित पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराते थे। एजेंटों के माध्यम से यह सामग्री साइबर अपराधियों तक पहुंचाई जाती थी। इन खातों का इस्तेमाल ठगी की रकम प्राप्त करने, दूसरे खातों में ट्रांसफर करने और रकम के वास्तविक स्रोत को छिपाने के लिए किया जाता था।

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, बैंक खातों के विश्लेषण और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद 9 अगस्त 2026 को थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 679/2026 के तहत धारा 318(2), 318(3), 318(4) बीएनएस में 10 आरोपियों तथा थाना भिलाई नगर में अपराध क्रमांक 388/2026 के तहत इन्हीं धाराओं में 3 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

बंधन बैंक और पीएनबी के खातों का इस्तेमाल- थाना सुपेला क्षेत्र में बंधन बैंक से संबंधित 10 खाताधारकों के बैंक खातों का साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में इस्तेमाल पाया गया। वहीं थाना भिलाई नगर क्षेत्र में पंजाब नेशनल बैंक से संबंधित 3 खाताधारकों के खातों में संदिग्ध लेन-देन सामने आया। इस मामले में सुपेला पुलिस ने अनिरुद्ध बेसरा (26), डिकेश साहू उर्फ गोल्डी (23), संदीप खन्ना (24), दिलबाग सिंह (30), शिव कुमार (32), सुमीत कुमार (26), रेहान कुरैशी (20), ललीत कुमार (24), भोज कुमार देवांगन (24) और घनेश्वर यादव (21)वर्ष और भिलाई नगर पुलिस ने अमित कुमार (43), गोपी सोनी (21) और प्रीति उपाध्याय को गिरफ्तार किया है।

पासबुक, एटीएम और सिम कार्ड जब्त- कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड, मोबाइल फोन और अन्य संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं। पुलिस मामले में साइबर ठगी से जुड़े अन्य लोगों और बैंक खातों के नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

शिवधाम में आज गूंजेगा हर-हर महादेव, 1111 दीपों से जगमगाएगा तालाब

सावन के दूसरे सोमवार पर महारुद्राभिषेक

महाभंडारा और महाआरती का आयोजन

25 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान

भिलाई। सेक्टर-7 स्थित शिवधाम में सावन के दूसरे सोमवार 10 अगस्त को भव्य धार्मिक आयोजन किया जाएगा। शिवधाम सेवा समिति के तत्वावधान में महारुद्राभिषेक, महाभंडारा और महाआरती का आयोजन होगा। आयोजन को लेकर शिवधाम को आकर्षक रोशनी और सजावट से सजाया गया है।

शिवधाम सेवा समिति के संरक्षक एवं भिलाई निगम के एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू ने बताया कि सोमवार सुबह 7 बजे महारुद्राभिषेक, सुबह 11 बजे महाभंडारा तथा शाम 6 बजे महाआरती होगी। आयोजन में करीब 25 हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने और महाप्रसाद ग्रहण करने का अनुमान है।

एक रंग की साड़ी में सेवा करेंगी महिलाएं- आयोजन को सफल बनाने के लिए वार्ड की करीब 550 से 600 महिलाएं एक ही रंग की साड़ी पहनकर पूरे दिन सेवा कार्य में जुटी रहेंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा और

व्यवस्था बनाए रखने के लिए समिति की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं।

1111 दीपों से होगा तालाब का दीपोत्सव- शिवधाम आयोजन का विशेष आकर्षण 1111 दीपों से शिवधाम तालाब का दीपोत्सव रहेगा। शाम के समय तालाब में जलते दीपों से मनोहारी दृश्य देखने को मिलेगा। धार्मिक आयोजन के साथ दीपोत्सव श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगा।

आयोजन को लेकर शिवधाम परिसर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। श्रद्धालुओं के स्वागत और महाप्रसाद वितरण सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर समिति के सदस्य सक्रियता से जुटे हुए हैं।

बीएसपी कथित लोहा चोरी संगठित नेटवर्क में हड़कंप, सोशल मीडिया पर आ रहे चिंता बढ़ाने वाले कमेंट, विधायक रिकेश बोले

भिलाई नगर। भिलाई इस्पात संयंत्र में वर्षों से जारी कथित लोहा-स्क्रैप चोरी के खिलाफ विधायक रिकेश सेन की मुहिम अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है। श्री सेन ने मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग को विधानसभा से लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचाया है। हाल ही में राष्ट्रपति के निर्देश पर सेल की विजिलेंस में शिकायत दर्ज होकर जांच में लिए जाने की बात भी सामने आई है।

विधायक की इस पहल को बीएसपी कर्मियों, विभिन्न यूनियनों और भिलाईवासियों का समर्थन मिल रहा है। आरोप है कि इस कथित नेटवर्क में जिम्मेदार तंत्र के कुछ लोगों के साथ राजनीतिक और कारोबारी प्रभावशाली लोगों की भूमिका की भी जांच जरूरी है।

इस बीच सोशल मीडिया पर विधायक की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाने वाली प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। वायरल स्क्रीनशॉट में एक कमेंट में लिखा गया है--विधायकजी लोहा चोर आपके जान के पीछे पड़े हुए हैं शूटर। हालांकि ऐसी टिप्पणियों को सीधे तौर पर धमकी मानना अभी उचित नहीं होगा, लेकिन करोड़ों रुपये के कथित अवैध कारोबार से जुड़े मामले

को देखते हुए इन्हें नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। भिलाईवासियों का कहना है कि राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा के लिए आवाज उठाने वाले जनप्रतिनिधि की सुरक्षा को लेकर प्रशासन को भी आवश्यक सतर्कता बरतनी चाहिए। अब सवाल सिर्फ BSP से लोहा चोरी की जांच का नहीं, बल्कि इस मुहिम को आगे बढ़ाने वाले विधायक की सुरक्षा का भी है।

विधायक रिकेश सेन ने ऐसे संदेशों की जानकारी सामने आने पर सभी शुभचिंतकों और भिलाइयंस को हृदय से धन्यवाद दिया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में राज्य सरकार एवं जिले के पुलिस अधीक्षक को सूचना दे दी गई है। उन्होंने सभी शुभचिंतकों से कहा कि बिल्कुल परेशान होने की जरूरत नहीं है, छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव सायजी की सुशासन की सरकार है। उन्हें अपनी सरकार और संगठन पर पूरा भरोसा है। इस बड़ी मुहिम में सरकार और शासन प्रशासन का जिस तरह सहयोग मिल रहा है निश्चित तौर पर लोहा चोरी से जुड़ा संगठित नेटवर्क सलाखों के पीछे होगा। लोहा चोरों के खिलाफ इस लड़ाई में भिलाईयंस ही मेरा संबल हैं और सुशासन सरकार ने लगातार अपराधियों के हौसले को पस्त किया है। सुरक्षा को लेकर वो पूरी तरह आश्वस्त हैं।

श्री सेन ने कहा कि भिलाई स्टील प्लांट के लोहा चोरी के आरोपियों के खिलाफ मेरी लड़ाई किसी व्यक्तिगत द्वेष की नहीं, बल्कि भिलाई और राष्ट्र की संपत्ति और जनता के हित की लड़ाई है। जब तक इन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, तब तक मैं पूरी दृढ़ता के साथ इस विषय को उठाता रहूंगा। परिणाम और अंजाम की चिंता किए बिना, जनहित के इस कार्य में मैं पीछे नहीं हटूंगा।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में मारपीट, चोरी और धमकी के कई मामले दर्ज पुलिस ने शुरू की जांच

रायपुर। राजधानी रायपुर में विभिन्न थाना क्षेत्रों में मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, चोरी और घर में सेंधमारी सहित कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में अपराध कायम कर जांच शुरू कर दी है। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति जैकी जगत और उसके साथी के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार आरोपी ने पूर्व में दर्ज रिपोर्ट वापस लेने का दबाव बनाते हुए गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और मारपीट कर घायल कर दिया। इसी थाना क्षेत्र के काशीराम नगर में घरेलू विवाद को लेकर दो व्यक्तियों पर डंडे और हाथ-मुक्कों से मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। खमतराई थाना क्षेत्र के भनपुरी स्थित संतोषी मंदिर के पास शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर युवक से मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आजाद चौक थाना क्षेत्र में रवि भवन के पास खड़ी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी हो गई। वहीं आमानाका थाना क्षेत्र के अरिहंत नगर, सरोना में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के जेवर, 20 हजार रुपये नकद और सीसीटीवी कैमरा चोरी कर लिया।

साइबर ठगी से बचाव के लिए पुलिस की अपील, अपनाएं 4 गोल्डन रूल्स

रायपुर। बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने जिले के नागरिकों, विशेषकर युवाओं से डिजिटल दुनिया में सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि जागरूकता और सावधानी ही साइबर ठगी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। पुलिस ने नागरिकों को साइबर सुरक्षा के लिए चार महत्वपूर्ण नियम अपनाने की सलाह दी है। इनमें किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी साझा नहीं करना, एसएमएस या व्हाट्सएप पर आने वाले संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करना, सोशल मीडिया और बैंकिंग ऐप्स के लिए मजबूत एवं अलग-अलग पासवर्ड का उपयोग करना तथा केवल आधिकारिक और सुरक्षित वेबसाइटों या ऐप्स से ही ऑनलाइन खरीदारी करना शामिल है। पुलिस ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार होता है, तो वह बिना समय गंवाए तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराए या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत करे, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और साइबर अपराधियों के झांसे में आने से बचें।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में एक और आरोपी को मिली आजीवन कारावास की सजा

रायपुर। भावना पांडेय के निर्देशन में महिला एवं बाल अपराधों के प्रकरणों में त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना कर आरोपियों को कठोर सजा दिलाने हेतु धमतरी पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना केरेगांव के अपराध क्रमांक 20/2025, विशेष दांडिक प्रकरण क्रमांक 54/2025 में माननीय अपर सत्र न्यायाधीश (एफटीसी/ धमतरी द्वारा आरोपी राकेश मंडावी, पिता स्व. आत्माराम मंडावी, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम सियादेही, थाना केरेगांव, जिला धमतरी को दोषसिद्ध पाते हुए कठोर सजा से दंडित किया गया है। न्यायालय द्वारा आरोपी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत 07 वर्ष का सश्रम कारावास,धारा 87 के तहत 10 वर्ष का सश्रम कारावास तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत आजीवन कारावास,अर्थात शेष प्राकृतिक जीवनकाल तक कारावास की सजा एवं कुल 5,000/- रूपये अर्थदंड से दंडित किया गया है। सभी सजाएं साथ-साथ भुगताई जाएंगी। साथ ही न्यायालय द्वारा आरोपी की ओर से जमा कराई गई 7,000/-रुपये की अर्थदंड राशि पीड़िता को उसके अभिभावक के माध्यम से प्रतिकर के रूप में प्रदान किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्नी ही निकली पति की कातिल, साड़ी से गला घोंटकर की हत्या

रायपुर। रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम टोकरो में तालाब किनारे मिले युवक के शव की गुत्थी पुलिस ने महज दो दिनों में सुलझा ली है। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि युवक की हत्या उसकी पत्नी ने ही की थी। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान परमेश्वर सिदार (30 वर्ष) निवासी ग्राम तोरला, थाना झरबन, जिला बरगढ़ (ओडिशा) के रूप में हुई है। वह पिछले छह माह से ग्राम टोकरो के तालाब में चौकीदारी का काम कर रहा था। मंगलवार को उसका शव तालाब किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

ढाई साल की उपलब्धियाँ-छत्तीसगढ़ का श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में नई पहचान

श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता

रायपुर/ संवाददाता

पिछले ढाई साल में श्रम विभाग ने गढ़ी सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि की मिसाल। छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक ऐतिहासिक पहल की हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने श्रमिक कल्याण को केवल योजनाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे सुशासन, पारदर्शिता और तकनीकी नवाचार से जोड़ते हुए श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। वहीं श्रम एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में विभाग ने श्रमिकों तक योजनाओं का लाभ तेज़ी और सरलता से पहुंचाने के लिए व्यापक सुधार किए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है, इन योजनाओ के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। राज्य में संगठित, असंगठित और निर्माण श्रमिकों के हितों के संरक्षण के लिए विभिन्न श्रम कल्याण मंडलों के माध्यम से 67 कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। श्रमिकों के पंजीयन, सहायता और योजनाओं के लाभ को अधिक पारदर्शी एवं सुगम बनाने के लिए श्रम विभाग ने नई यूजर-फ्रेंडली वेबसाइट श्रमेव जयते मोबाइल एप विकसित किया है, जिससे श्रमिक अब ऑनलाइन आवेदन, पंजीयन और अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर रहे हैं। ढाई वर्षों में श्रम विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था को भी मजबूत किया है। 5 नए जिलों (मोहला-मानपुर-अंबागढ़,चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, ,सारंगढ़-बिलाईगढ़, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं सक्ती) में श्रम अधिकारी कार्यालय की स्थापना हेतु 20 पदों का सृजन किया गया है। वर्तमान में 10 जिलों के सहायक श्रमायुक्त कार्यालय तथा 23 जिलों में श्रम पदाधिकारी कार्यालय संचालित है। इस प्रकार राज्य के सभी 33 जिलों में श्रम कार्यालयों का संचालन सुनिश्चित किया गया है। इसके साथ ही विभिन्न पदों पर नियुक्तियां कर विभागीय क्षमता को भी बढ़ाया गया है। उद्योगों और श्रमिकों के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करने के उद्देश्य से श्रम कानूनों में कई महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं। दुकानों एवं स्थापना अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन, फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट, महिला श्रमिकों के लिए रात्रिकालीन कार्य की सुविधा, फैक्ट्री लाइसेंस की अवधि बढ़ाने जैसे अनेक निर्णयों ने रोजगार सृजन के साथ श्रमिक अधिकारों को भी मजबूत किया है। श्रम विभाग की उपलब्धियों में सबसे उल्लेखनीय सफलता श्रमिक पंजीयन और हितलाभ वितरण रही है। 1 जनवरी 2024 से 30 जून 2026 के बीच लगभग 12.65 लाख नए श्रमिकों का पंजीयन किया गया। लगभग 17.82 लाख श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया गया, जिन पर लगभग 800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि व्यय की गई। निर्माण श्रमिकों को लगभग 780 करोड़ रुपये तथा असंगठित श्रमिकों को लगभग 187 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई। लाभ वितरण को पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली लागू की गई है।

छत्तीसगढ़ की तीन मेगा सिंचाई परियोजनाओं को मिली बड़ी कानूनी मजबूती

- उच्च न्यायालय ने विभागीय निविदा प्रक्रिया को माना पूर्णत: विधिसम्मत

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग की तीन महत्त्वाकांक्षी सिंचाई परियोजनाओं बस्तर की मटनार-देउरगांव बहुउद्देशीय उद्वहन बैराज परियोजना, रायपुर जिले की मोहमेलाङ्कसिरपुर बैराज परियोजना तथा गरियाबंद जिले की पैरी परियोजना अंतर्गत सिकासारकोडार जलाशय लिंक परियोजना को उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर के महत्वपूर्ण निर्णय से बड़ी कानूनी मजबूती मिली है। इससे राज्य की इन बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं के निर्माण कार्यों में तेजी आने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। 4 अगस्त को पारित निर्णय में पैरी-सिकासार लिंक परियोजना से संबंधित याचिका को पूर्णत: निरस्त करते हुए जल संसाधन विभाग द्वारा अपनाई गई निविदा प्रक्रिया, पात्रता शर्तों एवं तकनीकी मूल्यांकन को विधिसम्मत एवं नियमों के अनुरूप माना। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि निविदा आमंत्रण प्राधिकरण अपनी तकनीकी एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं का सर्वोत्तम निर्णायक है तथा न्यायालय केवल निर्णय प्रक्रिया की वैधता की समीक्षा कर सकता है। न्यायालय ने यह भी कहा, अनुमानित लागत के दो गुना औसत वार्षिक टर्नओवर की पात्रता शर्त न तो मनमानी है और न ही संविधान के अनुच्छेद-14 का उल्लंघन करती है। विशेषज्ञ समिति द्वारा किए गए तकनीकी मूल्यांकन में भी न्यायालय ने हस्तक्षेप से इनकार करते हुए विभागीय कार्यवाही को नियमत: माना। इन परियोजनाओं में देश की अग्रणी निर्माण एजेंसियों ने प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया में भाग लिया। मटनार-देउरगांव संयुक्त परियोजना में एनसीसी लिमिटेड, हैदराबाद, दिलीप बिल्डकॉन एवं ऋत्विक कंस्ट्रक्शन की बोलियां प्राप्त हुईं, जिनमें एनसीसी लिमिटेड की बोली सबसे कम (एल-1) पाई गई।

टीबी के खिलाफ लड़ाई में आगे आएं,बनें किसी मरीज की उम्मीद

रायपुर। संवाददाता

टीबी केवल एक बीमारी नहीं है। यह गरीबी, कुपोषण और सामाजिक उपेक्षा से जुड़ी ऐसी चुनौती है, जो हर साल हजारों परिवारों को आर्थिक और मानसिक संकट में धकेल देती है। जब कोई व्यक्ति टीबी से ग्रसित होता है, तब उसके सामने केवल दवा लेने की चुनौती नहीं होती, बल्कि पौष्टिक भोजन जुटाने, नियमित उपचार जारी रखने और सामाजिक भेदभाव से लड़ने जैसी अनेक कठिनाइयाँ भी खड़ी हो जाती हैं। यही कारण है कि देशव्यापी प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में निक्षय मित्र की अवधारणा को विशेष महत्व दिया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि टीबी के उपचार में दवा जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक है पर्याप्त पोषण। लेकिन दूरस्थ और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। कई मरीज केवल इसलिए उपचार बीच में छोड़ देते हैं क्योंकि उनके पास पोषणयुक्त भोजन की व्यवस्था नहीं होती। ऐसे समय में निक्षय मित्र न केवल पोषण सहायता प्रदान करते हैं, बल्कि मरीजों के मनोबल को भी मजबूत बनाते हैं। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई है। जिले के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजातियों के बीच स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में कार्य करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यरत जिला डाटा प्रबंधक निरंजन प्रसाद गुप्ता ने अक्टूबर 2024 से निक्षय मित्र के रूप में जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने न केवल 19 पीवीटीजी समुदाय के टीबी मरीजों को गोद लिया, बल्कि जिले के कुल 60 टीबी मरीजों को नियमित रूप से पोषण आहार एवं आवश्यक सहयोग प्रदान कर उपचार की राह में उनका साथ निभाया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर के हर्राटिकरा में किया एक पेड़ माँ के नाम 3.0 अभियान का शुभारंभ

स्मार्ट मीटर विवाद पर सरकार का पलटवार

जुलाई में 31.91 प्रतिशत घटी बिजली खपत,कांग्रेस के आरोप तथ्यहीन है.....

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर को लेकर जारी राजनीतिक घमासान के बीच राज्य सरकार ने आधिकारिक आंकड़े जारी कर कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया है। सरकार का दावा है कि रायपुर सिटी रीजन के जुलाई 2026 के बिजली खपत के आंकड़े स्पष्ट रूप से बताते हैं कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली खपत और बिल बढ़ने के आरोप निराधार हैं। सरकार के अनुसार, जून 2026 में रायपुर सिटी रीजन की कुल बिजली खपत 131.27 मिलियन यूनिट (रू) थी, जो जुलाई 2026 में घटकर 89.38 मिलियन यूनिट रह गई। यानी एक महीने में बिजली खपत में 31.91 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, यदि स्मार्ट मीटर गलत या अधिक रीडिंग दर्ज कर रहे होते, तो सभी उपभोक्ता श्रेणियों में बिजली खपत बढ़नी चाहिए थी। लेकिन वास्तविक आंकड़े इसके विपरीत हैं। 401 से 600 यूनिट खपत वाले उपभोक्ताओं की संख्या में 33.99 प्रतिशत तथा उनकी बिजली खपत में 32.58 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं 600 यूनिट से अधिक खपत वाले उपभोक्ताओं की संख्या 64.23 प्रतिशत और उनकी बिजली खपत 38.13 प्रतिशत घट गई है। सरकार ने इस बदलाव का श्रेय हाफ बिजली बिल योजना को दिया है। योजना के तहत 400 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को आधा बिजली बिल देने का प्रावधान है। सरकार का कहना है कि इसी कारण बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अपनी बिजली खपत 400 यूनिट के भीतर सीमित रखी।

महुआ से बदली महिलाओं की तकदीर, वन धन योजना ने बनाया आत्मनिर्भर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जंगलों में मिलने वाला महुआ अब ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए सिर्फ वनोपज नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और बेहतर आजीविका का मजबूत माध्यम बन गया है। जनजातीय कार्य मंत्रालय और ट्राइफेड की वन धन विकास केंद्र योजना के तहत महिलाओं को महुआ के मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। राजनांदगांव जिले के कोरिनभाठा वन धन विकास केंद्र की महिलाएं इस बदलाव की मिसाल बनकर सामने आई हैं। पहले वे केवल महुआ का संग्रह करती थीं, लेकिन अब प्रशिक्षण के बाद महुआ से लड्डू, कुकीज़, एनर्जी बार, स्क्वैश सहित कई मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार कर रही हैं। आधुनिक प्रसंस्करण और आकर्षक पैकेजिंग के कारण इन उत्पादों की बाजार में अच्छी मांग बन रही है। वन धन विकास केंद्रों में महिलाओं को उत्पाद निर्माण के साथ-साथ गुणवत्ता नियंत्रण, स्वच्छ उत्पादन, पैकेजिंग, लेबलिंग, भंडारण और विपणन का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

आधुनिक खेती की ओर बढ़ रहे जिले के किसान

- पैडी ट्रांसप्लांटर से बदला किसान डिकेश्वर का भाग्य
- 25 एकड़ में धान की खेती, लागत में 7 हजार प्रति एकड़ की बचत

रायपुर। संवाददाता

जिले के गुण्डरदेही विकासखंड अंतर्गत ग्राम खल्लारी के प्रगतिशील किसान डिकेश्वर कुमार साहू ने आधुनिक कृषि तकनीक को अपनाकर क्षेत्र के किसानों के सामने एक नई मिसाल पेश की है। पारंपरिक खेती के तरीकों को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने पैडी ट्रांसप्लांटर (धान रोपाई मशीन) के माध्यम से खेती को आसान, कम खर्चीला और अधिक लाभदायक बना दिया है। किसान डिकेश्वर लगभग 25 एकड़ भूमि पर धान की खेती करते हैं। पहले उन्हें धान रोपाई के समय मजदूरों की भारी किल्लत का सामना करना पड़ता था। पारंपरिक तरीके से रोपाई कराने पर उन्हें प्रति एकड़ लगभग 08 हजार का खर्च आता था। कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से मार्गदर्शन लेकर उन्होंने शुरुआत में हाथ से चलने वाला पैडी ट्रांसप्लांटर खरीदा। इससे मिले बेहतरीन परिणाम और बचत को देखते हुए उन्होंने इस वर्ष छह लाइन वाला आधुनिक पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन खरीदा है।

रायपुर जिले के सरपंचों ने साझा किए नवाचार

जल संरक्षण,महिला सशक्तिकरण और ग्राम विकास के सफल मॉडल

- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में पंचायतें निभाएं संरक्षक की भूमिका : अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा

रायपुर/ संवाददाता

प्राकृतिक सामुदायिक संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रबंधन में पंचायतों की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से जिला पंचायत रायपुर द्वारा फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी (एफ्ईएस) तथा राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) के सहयोग से एक दिवसीय पंचायत सम्मेलन का आयोजन ठाकुर प्यारेलाल पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा में किया गया। सम्मेलन में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ग्राम पंचायत विकास योजना, जल एवं भूमि प्रबंधन, कानूनी प्रावधानों तथा पंचायतों के सफल नवाचारों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा ने कहा कि बदलते समय के अनुरूप पंचायतों को भी आधुनिक कार्यप्रणाली अपनानी होगी। विशेषकर रायपुर जैसे तेजी से औद्योगिक होते जिले में कृषि, पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण पंचायत प्रतिनिधियों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों और उनकी जिम्मेदारियों को समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज ग्राम विकास में ग्राम सभा की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ग्राम विकास योजनाओं में प्राकृतिक संसाधनों को शामिल कर उनके सतत उपयोग की रणनीति तैयार करनी होगी। साथ ही कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, नल-जल योजनाओं का नियमित संचालन एवं रखरखाव तथा जल, जंगल और भूमि के संरक्षण को पंचायतों की प्राथमिकता बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायतें यदि संसाधनों की संरक्षक की भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाएं तो सतत विकास के लक्ष्य अधिक तेजी से प्राप्त किए जा सकते हैं। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि यह पहला अवसर है जब विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच स्वयं मंच पर आकर अपने गांवों में किए गए नवाचारों और विकास कार्यों को साझा कर रहे हैं। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से ग्राम प्रमुख के रूप में गांव को अपना परिवार मानकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि पंचायत प्रतिनिधि पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगे तो शिकायतों और निरीक्षणों की आवश्यकता स्वत: कम हो जाएगी तथा शासन-प्रशासन की भूमिका केवल मार्गदर्शक की रह जाएगी। उन्होंने विकसित भारत-ग्राम रोजगार एवं आजीविका मिशन (वीबी-जी रामजी) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नई पहल ग्राम पंचायतों को अधिक अधिकार, संसाधन और विकास के अवसर प्रदान करेगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

संपादकीय

बहस के बिना कानून- लोकतंत्र में जरूरी है संवाद

अहम सवाल यह है कि संविधान में संसद सत्र आयोजित किए जाने की जो व्यवस्था की गई है, क्या उसका मूल उद्देश्य पूर्ण हो पा रहा है? अगर किसी कानून या योजना को सक्षम एवं कारगर बनाने में विपक्ष की कोई भूमिका न हो, तो संसद की प्रासंगिकता क्या रह जाएगी? संसद देश का सर्वोच्च विधायी निकाय है, जहां जनकल्याण से जुड़े मसलों पर मंथन किया जाता है और उसके निष्कर्षों के आधार पर नीति निर्माण का खाका तैयार किया जाता है। जनता की आकांक्षाओं को आकार देने और देश को लोकतांत्रिक दिशा प्रदान करने में संसद की भूमिका सर्वोपरि है। आमजन की यह उम्मीद होती है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि उनकी समस्याओं, चिंताओं एवं जरूरतों को संसद में रखेंगे और उन पर विचार-विमर्श के बाद एक सक्षम कानून या योजना बनाई जाएगी। मगर, जब संसद में व्यापक चर्चा के बिना ही किसी विधेयक को पारित कर कानून की शक्ल दे दी जाए, तो उसकी समग्र व्यावहारिकता और सार्थकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।संसद के मानसून सत्र में अब तक ऐसी ही स्थिति देखने को मिली है। हाल ही में विद्यार्थियों के आंदोलन से निकले लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 को व्यापक चर्चा और सुझावों के बिना ही पारित कर दिया गया और सोमवार को दो अन्य विधेयकों को भी इसी तरह से मंजूरी दे दी गई।अहम सवाल यह है कि संविधान में संसद सत्र आयोजित किए जाने की जो व्यवस्था की गई है, क्या उसका मूल उद्देश्य पूर्ण हो पा रहा है? अगर किसी कानून या योजना को सक्षम एवं कारगर बनाने में विपक्ष की कोई भूमिका न हो, तो संसद की प्रासंगिकता क्या रह जाएगी? इसमें दोराय नहीं कि सदन को सुचारु रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की है। मगर जब विपक्ष कोई सवाल या समस्या उठाता है, तो उसका निराकरण करना सत्तापक्ष का दायित्व होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्तापक्ष अपनी जवाबदेही से पल्ला नहीं झाड़ सकता। संसद के मानसून सत्र की अब तक की अवधि पर नजर डालें, तो हंगामा और कार्यवाही का स्थगन, इन्हीं दो बातों पर जोर दिया गया है।ऐसा लगता है कि स्थगन, कार्यवाही का पर्याय बन गया है। विपक्ष नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर पुलिस कार्रवाई तथा राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दों को लगातार संसद में उठा रहा है और हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार स्थगित हो जाती है। इस बीच महत्त्वपूर्ण विधेयक भी व्यापक चर्चा के बिना ही पारित हो जाते हैं।संसद में बने इस गतिरोध को दूर करने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप के जरिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। विपक्ष का कहना है कि सरकार उनकी मांग को नजरअंदाज कर लोकतंत्र पर प्रहार कर रही है, तो सत्तापक्ष का दावा है कि विपक्ष जानबूझकर सदन की कार्यवाही में व्यवधान उत्पन्न कर रहा है।

वातानुकूलन से गहराता पर्यावरण संकट

(रविशंकर कुमार)

दूसरी ओर, समाज का संपन्न वर्ग अपने घरों में बहुत ज्यादा जरूरत न होने पर भी एसी चला देता है। निजी तौर पर घरों में शीतलन का यह बेलगाम उपभोग पर्यावरण संकट को और गंभीर बना रहा है। शहरों में लाखों की संख्या में एसी सीधे तौर पर तंग और घनी गलियों में गर्म हवा फेंकते हैं। देश के सघन शहरी केंद्रों में यह स्थिति 'अर्बन हीट आइलैंड' के प्रभाव को इतना बढ़ा देती है कि फुटपाथ पर चलने वाले राहगीरों, रेहड़ी-पटरी वालों और बिना एसी वाले गरीब परिवारों के लिए सार्वजनिक रास्ते 'थर्मल डेथ ट्रैप' यानी खतरनाक ताप क्षेत्र में तब्दील हो जाते हैं।

फ्रांस से भारत जो सबसे बड़ा सबक सीख सकता है, वह है हर घर में अलग से एसी लगाने के विकेंद्रीकृत माडल को सिरे से खारिज करना।वैश्विक ताप लगातार बढ़ रहा है और अब इसका असर दुनिया भर में साफ देखा जा रहा है। पृथ्वी के ठंडे क्षेत्र माने जाने वाले यूरोप और उत्तरी अमेरिका भी इससे अछूते नहीं हैं। यानी जलवायु संकट एक खतरनाक दौर में प्रवेश कर गया है। भारत जैसे उष्णकटिबंधीय देश के लिए जहां अगले दो दशकों में शीतलन (कूलिंग) की मांग आठ गुना बढ़ने का अनुमान है, वहां गर्मी से निपटने का तात्कालिक उपाय घरों में एअर-कंडीशनर (एसी) लगा देने को ही माना जा रहा है।

मगर, इसके दूसरे पहलू पर गंभीरता से गौर करना जरूरी नहीं समझा जा रहा है। दरअसल, एसी कमरे को ठंडा करने के लिए उसकी गर्मी को बाहर फेंकता है और इससे निकलने वाली हानिकारक गैसों से पर्यावरण को और ज्यादा नुकसान होता है। ऐसे में हमें फ्रांस जैसी विकसित अर्थव्यवस्था के नीतिगत संयम पर गौर करना चाहिए, जहां भयंकर गर्मी के बावजूद बड़े पैमाने पर निजी एअरकंडीशनिंग को हतोत्साहित करने की नीति है।

देश के कई हिस्सों में मानसून आने से पहले उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान कर देती है। दोपहर के वक्त तकनीकी उपकरणों पर तापमान 39 या 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज होता है, जो देखने में ज्यादा कष्टकारी नहीं लगता। मगर हमारा शरीर इस आंकड़े को सिरे से खारिज करते हुए हकीकत का एक तकलीफदेह पन्ना खोलता है।

शरीर को महसूस होने वाला वास्तविक तापमान (फील्स-लाइक) असल में 49 से 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास होता है। यह कोई मानसिक भ्रम नहीं है, बल्कि 'हीट इंडेक्स' (ऊष्मा सूचकांक) का वह सच है, जो साबित करता है कि हमारे पारंपरिक मौसम विज्ञान के पैमाने मानव शरीर के वास्तविक संकट को मापने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

जब मानसून में देरी होती है, तो अरब सागर से आने वाली नमी से भरपूर दक्षिण-पश्चिमी हवाएं जैसे ही मैदानी इलाकों में प्रवेश करती हैं, तो सापेक्ष आर्द्रता का स्तर 60 से 70 फीसद तक पहुंच जाता है। मानव शरीर खुद को ठंडा रखने के लिए पसीने का सहारा लेता है, जो त्वचा से वाष्पीकृत होकर आंतरिक गर्मी को बाहर निकालता है।

मगर जब आसपास की हवा में पहले से नमी की मात्रा ज्यादा होती है, तो वाष्पीकरण की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है। पसीना त्वचा पर ही जमा रहता है, जिससे शरीर को ज्यादा गर्मी का एहसास होता है। यह स्थिति कई बार हमें 'वेट-बल्ब टेंपरेचर' की उस अंतिम सीमा के करीब ले आती है, जिसके पार गर्मी असहनीय हो जाती है। पहले इसे केवल वैश्विक दक्षिण देशों की समस्या माना जाता था, लेकिन हाल के वर्षों में महसूस की गई गर्मी ने यह साबित कर दिया है कि यूरोप और अमेरिका के ठंडे इलाके भी उच्च-आर्द्रता वाले ताप संकट से अब अछूते नहीं हैं।

हालांकि, इस स्थिति के बावजूद फ्रांस ने अपने यहां घरेलू एसी के इस्तेमाल को महज पच्चीस फीसद तक सीमित रखा है, जबकि अमेरिका में यह आंकड़ा नब्बे फीसद से अधिक है। निजी तौर पर 'एअरकंडीशनिंग' को एक बुनियादी मानव अधिकार न मानने का फ्रांस का यह फैसला कोई जिद नहीं, बल्कि एक कड़वे पारिस्थितिक सच की स्वीकारोक्ति है।

फ्रांस केवल सांस्कृतिक रूप से एसी को हतोत्साहित नहीं करता, बल्कि इसके लिए वहां कड़े वैधानिक कानून हैं। फ्रांस के राष्ट्रीय 'एनर्जी कोड' (ऊर्जा संहिता) के तहत व्यावसायिक और सार्वजनिक भवनों में तब तक एसी चलाने की कानूनी मनाही है, जब तक कि अंदर का तापमान 26 डिग्री सेल्सियस को पार न कर जाए। इसके अलावा, यदि कोई दुकानदार एसी चालू रखकर दुकान का मुख्य दरवाजा खुला छोड़ता है, तो स्थानीय निकाय उस पर भारी जुर्माना लगा सकता है।

इसके विपरीत भारत का मौजूदा प्रशासनिक माडल आज भी परंपरागत सिद्धांत पर चल रहा है। जब मैदानी इलाकों में 'हीट इंडेक्स' 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास होता है, तब भी मौसम विभाग अपने पुराने पैमानों के आधार पर आधिकारिक तौर पर 'लू' घोषित नहीं कर पाता, क्योंकि थर्मामीटर का सूखा तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही अटका होता है। नतीजा यह होता है कि बाहर काम करने वाले लोग मौसम उपकरणों के इस छलावे के बीच असल में 50 डिग्री महसूस किए जाने वाले तापमान के बीच रहने को मजबूर होते हैं।

दूसरी ओर, समाज का संपन्न वर्ग अपने घरों में बहुत ज्यादा जरूरत न होने पर भी एसी चला देता है। निजी तौर पर घरों में शीतलन का यह बेलगाम उपभोग पर्यावरण संकट को और गंभीर बना रहा है। शहरों में लाखों की संख्या में एसी सीधे तौर पर तंग और घनी गलियों में गर्म हवा फेंकते हैं।

देश के सघन शहरी केंद्रों में यह स्थिति 'अर्बन हीट आइलैंड' के प्रभाव को इतना बढ़ा देती है कि फुटपाथ पर चलने वाले राहगीरों, रेहड़ी-पटरी वालों और बिना एसी वाले गरीब परिवारों के लिए सार्वजनिक रास्ते 'थर्मल डेथ ट्रैप' यानी खतरनाक ताप क्षेत्र में तब्दील हो जाते हैं।

फ्रांस से भारत जो सबसे बड़ा सबक सीख सकता है, वह है हर घर में अलग से एसी लगाने के विकेंद्रीकृत माडल को सिरे से खारिज करना। पेरिस की ऐतिहासिक वास्तुकला को बचाने और उसकी सड़कों को 'अर्बन हीट आइलैंड' के प्रभाव से सुरक्षित रखने के लिए वहां की सरकार ने एक वैकल्पिक तकनीक पर निवेश किया, जिसे 'क्लाइमस्पेस' कहा जाता है।

पेरिस की जमीन के नीचे पाइपलाइन के जरिए एक विशाल शीतलन तंत्र बिछाया गया है, जो सीन नदी से पानी लेकर उसे भूमिगत संयंत्रों में ठंडा करता है। फिर इस ठंडे पानी को पाइप के जरिए बड़े होटलों और सरकारी दफ्तरों तक पहुंचाया जाता है, जो उन्हें ठंडा रखता है। यह पारंपरिक एसी के मुकाबले पैंतीस फीसद कम बिजली की खपत करता है और कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम स्तर पर रखता है। अगर भारत में स्मार्ट शहरों और शहरी पुनर्विकास योजनाओं के मास्टर प्लान में इस तकनीक को शामिल किया जाए, तो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना बढ़ते ताप की समस्या से निपटा जा सकता है। हमें शीतलन को एक निजी उपभोक्ता उत्पाद मानने के बजाय इसे बिजली, पानी की तरह एक साझा 'सार्वजनिक बुनियादी ढांचा' मानना होगा।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग को केवल थर्मामीटर के सूखे तापमान के बजाय 'संयुक्त ऊष्मा जोखिम सूचकांक' को प्रशासनिक कार्रवाई का वैधानिक आधार बनाना चाहिए। इसके साथ ही फ्रांसीसी माडल की तर्ज पर वाणिज्यिक परिसरों, सरकारी दफ्तरों और हवाईअड्डों के लिए एसी के तापमान की न्यूनतम सीमा अनिवार्य रूप से 24 डिग्री सेल्सियस तय की जानी चाहिए, ताकि बिजली ग्रिड पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सके। फ्रांस अपनी चूना पत्थर की दीवारों पर भरोसा करता है, जो गर्मी को अंदर आने से रोकती हैं। भारत को अपने 'ऊर्जा संरक्षण भवन कोड' को स्थानीय स्तर पर कड़ाई से लागू करना होगा। इमारतों की दिशा को धूप के हिसाब से तय करना, छतों पर हल्के रंग के कूल-रूफ पेंट लगाना और खोखली ईंटों का उपयोग करना जैसी तकनीकों से घरों के अंदरूनी तापमान को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। वक्त आ गया है कि भारत पारंपरिक थर्मामीटर की सीमित सोच से आगे बढ़े, निजी एसी के बेलगाम उपभोग पर लगाम लगाए और एक ऐसा सामूहिक ढांचा तैयार करे, जो मनुष्य और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम कर सके।

नया भारत और जेन जेड की भूमिका

(शिवेंद्र कुमार पाण्डेय)

देश एक ऐतिहासिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। एक्सप्रेसवे का बिछता जाल, आधुनिक इंफास्ट्रक्चर, डिजिटल क्रांति, और स्टार्टअप कल्चर ने विकास के नए प्रतिमान स्थापित करते हुए भारत को दुनिया में अग्रणी देशों की पाँक्ति में खड़ा कर दिया है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य से लेकर देश के कोने-कोने तक विकास की एक नई गाथा लिखी जा रही है। ऐसे समय में, भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी 'जेन-जी' (जेन जेड) यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मी वह युवा पीढ़ी है, जो डिजिटल तकनीक के माहौल में ही पली-बढ़ी है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि मौजूदा दौर में जेन-जी की देश व समाज के प्रति क्या भूमिका होनी चाहिए? यह सवाल इसलिए कि नीट पेपर लीक के खिलाफ हालिया प्रदर्शन में यही जेन-जी कुछ राजनीतिक दलों का टूल बनते दिखाई दिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी घटना के विरोध का, अपनी बात कहने का, और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का सबको अधिकार है। लेकिन, देश के प्रधानमंत्री को भद्दी गालियां देना और अश्लील संकेतों का प्रदर्शन संस्कारविहीन होने का परिचय मात्र है। ऐसा करने वाले युवाओं ने क्या एक बार भी सोचा कि जब उनके माता-पिता या परिवार के बुजुर्ग उन्हें टीवी पर यह सब कहते-करते देखेंगे तो उन्हें समाज में कितनी शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी। जेन-जी यह क्यों भूल रहे हैं कि विकसित भारत का सपना उन्हें ही आगे लेकर जाना है। वैश्विक मंच पर भारत को स्थापित करने में उनकी भूमिका नेतृत्वकर्ता की होनी चाहिए। इस अभूतपूर्व विकास काल में देश व समाज को युवाओं की ठोस सकारात्मक भूमिका का इंतजार है। आज अधिसंख्य युवा केवल परंपरागत नौकरियों पर निर्भर रहने के बजाय जोखिम उठाने और इनोवेशन में विश्वास रखते हैं। उत्तर प्रदेश और देश के टियर-2 तथा टियर-3 शहरों से जिस प्रकार एग्रीटेक, एडटेक और फिनटेक स्टार्टअप्स उभर रहे हैं, उसमें जेन-जी की केंद्रीय भूमिका है। उत्तर प्रदेश की 'एक जिला-एक उत्पाद' जैसी योजनाओं को डिजिटल पहचान दिलाने और स्थानीय कारीगरों को वैश्विक बाजार से जोड़ने में युवाओं की तकनीकी दक्षता वरदान साबित हो सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और तकनीक को केवल मनोरंजन का साधन न बनाकर उसका उपयोग फार्मिंग, हेल्थ सर्विसेज और शिक्षा को सुगम बनाने में करना बेहतर होगा। आर्थिक प्रगति तब तक अधूरी है जब तक वह पर्यावरण के अनुकूल न हो। जेन-जी को जलवायु के प्रति जागरूक पीढ़ी माना जाता है। विकास की दौड़ में यदि प्रकृति पीछे छूट गई, तो वह प्रगति स्थायी नहीं हो सकती। जेन-जी का दायित्व है कि वह टिकाऊ और प्रकृति-अनुकूल जीवनशैली को अपनाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक का बहिष्कार, ई-कचरे का सही निपटान, और अक्षय ऊर्जा (सौर/पवन ऊर्जा) के प्रति जागरूकता फैलाना, ऐसा व्यवसाय और जीवनशैली चुनना जो कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद करे, तमाम ऐसे क्षेत्र हैं जहां युवाओं की प्रभावी भागीदारी तस्वीर बदल सकती है। जेन-जी 'डिजिटल नेटिव' है, यानी यह पहली ऐसी पीढ़ी है जिसके पास सूचनाओं का अथाह भंडार अंगुलियों पर उपलब्ध है। लेकिन इस डिजिटल ताकत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। फैक्ट चेक के माध्यम से फेक न्यूज व हेट स्पीच के प्रचार-प्रसार पर काफ हद तक रोक लगाई जा सकती है। सोशल मीडिया पर बिना जांच-परख के किसी भी संवेदनशील खबर को शेयर करने से बचना और डिजिटल स्पेस को सुरक्षित व सकारात्मक बनाना समय की मांग है। समाज में समरसता व सौहार्द का संदेश देने वाले सकारात्मक कंटेंट बनाइए, इंटरनेट पर ट्रोलिंग या नफरत फैलाने के बजाय दूसरों के मानसिक स्वास्थ्य और विविधता का सम्मान करें। राष्ट्र केवल सरकारों से नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिकों से बनता है। जेन-जी को अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने मौलिक कर्तव्यों के प्रति भी उतना ही सचेत रहना होगा। सार्वजनिक संपत्तियों की रक्षा करना, स्वच्छता अभियानों का नेतृत्व करना और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करना। जाति, धर्म और लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव को नकारना तथा एक समावेशी समाज का निर्माण करना। केवल ऑनलाइन बहस करने के बजाय शत-प्रतिशत मतदान में हिस्सा लेना और शासन व्यवस्था में नीतिगत सुधारों के लिए हिंसक प्रदर्शन के बजाय तार्किक आवाज उठाना। जेन-जी से ऐसी ही जिम्मेदारियों की अपेक्षा की जाती है। युवावस्था में बागी तेवर अपनाना कोई नई बात नहीं, ध्यान सिर्फ इतना रखना है कि यह अदम्य ऊर्जा गलत दिशा में न जाए, चंद राजनीतिक दल अपने निहित स्वार्थ के लिए इसका फायदा न उठा सकें। विकास की दौड़ में अक्सर अंदेशा रहता है कि युवा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से कट न जाएं। भारत की असली ताकत उसकी प्राचीन विरासत और आधुनिक दृष्टि के अनूठे संगम में है।

एनडीए सांसदों के सत्रीय 'मंगल मिलन' के सियासी मायने

(कमलेश पांडे)

इसमें एनडीए के सभी प्रमुख घटक दलों के सांसद शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी ,जनता दल (यूनाइटेड) ,तेलगु देशम पार्टी ,लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ,हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ,अपना दल (सोनेलाल) अन्य एनडीए सहयोगी दलों के सांसद शामिल हुए। खास बात यह कि पहली बार नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया ,के सांसद भी बैठक में शामिल हुए, क्योंकि पार्टी को हाल में एनडीए का सहयोगी बनाया गया है।

भाजपा नेतृत्व ने अपने सर्वाधिक संकटग्रस्त काल से गुजरते हुए अपने सांसदों और सहयोगी सांसदों को याद किया, जिसे राजनीतिक गलियारे में एनडीए सांसदों के 'मंगल मिलन' की उपमा दी गई है। हालांकि यह अनौपचारिक बैठक, संवाद या सामूहिक कार्यक्रम संसद सत्र के दौरान हरेक मंगलवार को आहूत होती है।

केंद्र में पिछले 12 वर्षों से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार इन दिनों पुनः उस एकजुट विपक्ष के निशाने पर है, जिसे वह अबतक चुनावी सियासी पाट पर पछाड़ते आई है। लेकिन जिस तरह से बहुरूपिया विपक्ष कभी मुसलमानों के छद्म वेश में, कभी किसानों के रूप में और कभी छात्रों के छद्म वेश में जिस तरह से मोदी सरकार को घेरने पर तुला हुआ है, उसके पीछे विदेशी हाथ से इंकार नहीं किया जा सकता है। फिर भी सरकार सबसे जूझ रही है!

हाल ही में छात्र आंदोलन की कथित सफलता से घबराई सरकार ने जिस तरह से अपने ओबीसी रणनीतिकार शिक्षा मंत्री की राजनीतिक बलि चढ़ाई है, और इससे उत्साहित कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके ने जिस घमंड का प्रदर्शन किया, उससे विपक्ष उत्साहित है। यही वजह है कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को सीधे निशाने पर लिया जाने लगा है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत का अतीत और खुद देश का भविष्य करार दिया है, उसके मुताबिक इतना ही इशारा करना काफी होगा कि भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने देश का भविष्य तय कर दिया है और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आगे करके एक तीर से कई शिकार करने की योजना बनाई है, क्योंकि भाजपा की ओबीसी राजनीति में श्री चौधरी अपने नैसर्गिक सियासी गुणों के चलते फिट बैठते हैं। ये अभी अंदरखाने की बात है, लेकिन राहुल गांधी को आगाह करने के लिए मैंने इस सच्चाई को डिस्क्लोज कर दिया है, जो हिंदी पट्टी के मिजाज पर फिट बैठता है।

शायद यही वजह है कि भाजपा नेतृत्व ने अपने सर्वाधिक संकटग्रस्त काल से गुजरते हुए अपने सांसदों और सहयोगी सांसदों को याद किया, जिसे राजनीतिक गलियारे में एनडीए सांसदों के मंगल मिलन की उपमा दी गई है। हालांकि यह अनौपचारिक बैठक, संवाद या सामूहिक कार्यक्रम संसद सत्र के दौरान हरेक मंगलवार को आहूत होती है। हालिया एनडीए संसदीय दल की मंगल मिलन बैठक गत 28 जुलाई 2026 (मंगलवार) को, संसद के मानसून सत्र के दौरान हुई।

यह मंगल मिलन नाम से आयोजित होने वाली नियमित मंगलवार की संसदीय दल की बैठक थी। जो नई दिल्ली में संसद पुस्तकालय भवन के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में संपन्न हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, संसदीय कार्य मंत्री तथा एनडीए के अनेक सांसद और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

इसमें एनडीए के सभी प्रमुख घटक दलों के सांसद शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी ,जनता दल (यूनाइटेड) ,तेलगु देशम पार्टी ,लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ,हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ,अपना दल (सोनेलाल) अन्य एनडीए सहयोगी दलों के सांसद शामिल हुए। खास बात यह कि पहली बार नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया ,के सांसद भी बैठक में शामिल हुए, क्योंकि पार्टी को हाल में एनडीए का सहयोगी बनाया गया है। इस बैठक की सबसे चर्चित बात एनसीपीआई सांसदों की पहली भागीदारी रही, जिसे एनडीए के विस्तार और संसद में संख्या एवं राजनीतिक समन्वय को मजबूत करने के संकेत के रूप में देखा गया।

इस मंगल मिलन के कई राजनीतिक और संगठनात्मक संकेत/मायने निकलकर सामने आते हैं:-

पहला, संगठनात्मक एकजुटता का प्रदर्शन:- यह विपक्ष और सहयोगी दलों को संदेश कि एनडीए के सभी घटक दल एकजुट हैं और सरकार के साथ मजबूती से खड़े हैं।

दूसरा, संसद सत्र की रणनीति:- संसद में सरकार के विधेयकों, विपक्ष की रणनीति और विभिन्न मुद्दों पर साझा रुख तय करने का अवसर समझा जाता है।

तीसरा, आगामी चुनावों की तैयारी:- देश के अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों से पहले सांसदों को बूथ स्तर तक सक्रिय रहने और जनता से संवाद बढ़ाने का संदेश दिया गया।

चौथा, सरकार की उपलब्धियों का प्रचार:- सांसदों को निर्देश दिया जा सकता है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुँचाएं।

पांचवां, सहयोगी दलों को महत्व:- एनडीए में शामिल छोटे और क्षेत्रीय दलों को सम्मान और भागीदारी का संदेश देकर गठबंधन को मजबूत बनाए रखना है। छठा, विपक्षी इंडिया गठबंधन को राजनीतिक संदेश:- यह दिखाना कि एनडीए में नेतृत्व को लेकर कोई असमंजस नहीं है और गठबंधन स्थिर है। सातवां, 2029 की दीर्घकालिक रणनीति:- केवल वर्तमान राजनीतिक चुनौतियों पर नहीं, बल्कि अगले लोकसभा चुनाव तक संगठन और जनसंपर्क को मजबूत करने की दिशा में तैयारी। उल्लेखनीय है किभारतीय राजनीति में ऐसे कार्यक्रम अक्सर केवल सामाजिक मेल-मिलाप नहीं होते, बल्कि इनके माध्यम से राजनीतिक संदेश दिए जाते हैं, सांसदों का मनोबल बढ़ाया जाता है, संगठनात्मक अनुशासन मजबूत किया जाता है, और भविष्य की रणनीति पर अनौपचारिक चर्चा होती है। इसलिए मंगल मिलन को केवल सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन के बजाय राजनीतिक समन्वय, गठबंधन प्रबंधन और चुनावी तैयारी के एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में भी देखा जा सकता है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नि :शुल्क सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत छात्राओं को वितरित की गई सायकल

नारायणपुर। बालक उ.मा.वि. में छत्तीसगढ़ शासन की निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत पात्र छात्राओं को निःशुल्क सायकल वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इन्द्रप्रसाद बघेल, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, विशिष्ट अतिथि प्रताप सिंह मंडावी, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद कोरी ने की। विद्यालय के प्राचार्य मनोज बागड़े ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि सरस्वती सायकल योजना बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने, उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में शासन की एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्य अतिथि इन्द्रप्रसाद बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने की एक सराहनीय योजना है। उन्होंने कहा कि सायकल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, जिससे उनकी पढ़ाई निरंतर जारी रहेगी और वे आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगी। विशिष्ट अतिथि प्रताप सिंह मंडावी ने कहा कि विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं के लिए यह योजना अत्यंत लाभकारी है। इससे शिक्षा तक उनकी पहुँच आसान होगी तथा वे बिना किसी कठिनाई के नियमित रूप से विद्यालय आ सकेंगी। अनिल खोब्रागढ़े, पूर्व सदस्य, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ शासन ने कहा कि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने छात्राओं से परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ अध्ययन कर अपने भविष्य को संवारने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लक्ष्मी प्रसाद कोरी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्राओं से शिक्षा को जीवन का आधार बनाते हुए उपलब्ध अवसरों का सदुपयोग करने तथा निरंतर अध्ययन के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्याम सुंदर रैदास, उपसंचालक समाज कल्याण, हेमंत कुमार पात्र, पार्षद वार्ड क्रमांक 15, महादेवी यादव, उपाध्यक्ष, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति तथा समिति के सदस्यों ने भी अपने उदबोधन में छात्राओं को सायकल योजना का भरपूर लाभ उठाते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासन का पालन करने तथा शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। सायकल प्राप्त कर छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। सरस्वती नेताम, गोपी पोटाई, भागवती वड्डे सहित अन्य छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं माननीय शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रति आभार व्यक्त किये। छात्राओं ने कहा कि सायकल मिलने से विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी और वे नियमित रूप से अध्ययन कर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएँगी।

बस्तर विश्वविद्यालय में हुए भर्ती प्रक्रिया को लेकर राज्यपाल के नाम कुलपति के खिलाफ की गई शिकायत व उच्च स्तरीय जांच की जाए: चमन साहू

कांकेर। बस्तर संभाग के शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर में वर्ष 2025 में संपन्न एवं वर्ष 2026 में प्रयाधीन शैक्षणिक पदों की भर्ती प्रक्रिया अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच तथा निष्पक्ष भर्ती सुनिश्चित किया जाए एनएसयूआई पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष छात्र नेता चमन साहू ने बतलाया कि शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर द्वारा वर्ष 2025 में विभिन्न विषयों के अंतर्गत प्रोफेसर, सह-प्रोफेसर एवं सहायक प्रोफेसर के पदों पर की गई नियुक्तियों तथा वर्तमान वर्ष 2026 में संचालित भर्ती प्रक्रिया के संबंध में अनेक गंभीर अनियमितताओं की गई है। इन शिकायतों के संबंध में पूर्व में भी अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए गए थे, किंतु अब तक किसी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच के परिणाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। साहू ने बतलाया कि रोस्टर एवं आरक्षण नियमों के पालन की जांच की जाए भर्ती प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ शासन के प्रचलित आरक्षण रोस्टर एवं विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत रोस्टर के पालन को लेकर गंभीर आपत्तियां सामने आई है। अतः प्रत्येक विषय का स्वीकृत रोस्टर, विज्ञापित पदों का वर्गवार विवरण तथा चयनित अभ्यर्थियों का वर्गवार रिकॉर्ड सार्वजनिक कर सत्यापन कराया जाए GC Regulations के अनुरूप चयन प्रक्रिया की जांच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रचलित नियमों के अनुसार चयन समिति की संरचना एवं आवश्यक विशेषज्ञों की उपस्थिति अनिवार्य है। शिकायत है कि कुछ विषयों में चयन समिति का आवश्यक कोरम पूर्ण नहीं था। अतः प्रत्येक विषय की चयन समिति, उपस्थिति पंजी, कार्यवाही विवरण एवं विशेषज्ञों की नियुक्ति संबंधी अभिलेखों की जांच कराई जाए। साहू ने कह कि मेरिट एवं मूल्यांकन प्रक्रिया की जांच अनेक अभ्यर्थियों द्वारा यह शिकायत की गई है कि उच्च शैक्षणिक योग्यता एवं शोध उपलब्धियां रखने वाले अभ्यर्थियों को "Not Found Suitable" घोषित किया गया, जबकि अन्य अभ्यर्थियों का चयन किया गया। अतः सभी अभ्यर्थियों के API Score, Screening Score, Interview Marks तथा अंतिम मेरिट सूची सार्वजनिक कर स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति से परीक्षण कराया जाए। पदों के उन्नयन एवं प्रशासनिक स्वीकृति की जाए यदि किसी तृतीय श्रेणी पद को द्वितीय श्रेणी अथवा अन्य श्रेणी में परिवर्तित किया गया हो तो उसके संबंध में सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति, शासनादेश एवं वित्त विभाग की अनुमति का परीक्षण कराया जाए। चमन साहू पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष चमन साहू ने कहा कि चयन सूची सार्वजनिक न किए जाने की जांच वर्ष 2025 की भर्ती प्रक्रिया में अंतिम चयन सूची एवं संपूर्ण मूल्यांकन प्रक्रिया पर्याप्त पारदर्शिता के साथ सार्वजनिक नहीं की गई। यदि ऐसा हुआ है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित की जाए। वर्ष 2026 की दावा-आपत्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव वर्तमान भर्ती प्रया में दावा-आपत्ति हेतु केवल Application ID प्रकाशित की गई है।

नकली सोने का हार असली बताकर ग्रामीण से 10 हजार की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। थाना नगरनार क्षेत्र में नकली सोने के हार को असली बताकर ग्रामीण से 10 हजार रुपये की ठगी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से ठगी की रकम समेत नकली सोने की तीन मालाएं और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, मंगनपुर निवासी लिगेश्वर सेठिया ने थाना नगरनार में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 6 अगस्त की सुबह करीब 8 बजे वह काम से जगदलपुर जाने के लिए घर से निकल रहा था। इसी दौरान दो व्यक्ति उसके घर पहुंचे। इनमें से एक ने अपना नाम मोहन लाल सोलंकी निवासी भिलाई-दुर्ग बताया और पैसों की जरूरत बताते हुए करीब पांच लाख रुपये कीमत का सोने का हार होने की बात कही।आरोपी ने हार दिखाकर ग्रामीण से 10 हजार रुपये तत्काल देने की मांग की और शेष राशि अगले दिन देने की बात कही। ग्रामीण ने 10 हजार रुपये देकर हार अपने पास रख लिया। बाद में जब उसने हार को सोनार की दुकान पर जांच कराया तो वह असली सोना नहीं, बल्कि पीतल मिश्रित नकली हार निकला। इसके बाद पीड़ित ने नगरनार थाने में शिकायत दर्ज कराई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 117/2026, धारा 318(4), 35 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस टीम ने तलाश के बाद मोहन लाल सोलंकी (52) निवासी नेहरू चौक, चरौदा, थाना भिलाई-3, जिला दुर्ग और मोहन राय (52) निवासी हथनीपारा वार्ड, भाटापारा, जिला बलौदाबाजार को गिरफ्तार किया।पूछताछ में आरोपियों द्वारा अपराध करना स्वीकार किए जाने की बात पुलिस ने कही है। आरोपियों के कब्जे से 4,950 रुपये नकद, तीन नग नकली सोने की माला (कुल वजन 342.190 ग्राम) और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर के दिशा-निर्देशन तथा नगर पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक विकेश तिवारी के नेतृत्व में की गई। मामले की कार्रवाई में निरीक्षक विकेश तिवारी, पीएसआई दीपक सिंह ठाकुर, सउनि दिनेश ठाकुर, आरक्षक विक्रम उरांव, सुरेन्द्र तिर्की, अशोक सिंह, डीएसएफ आरक्षक भास्कर भारद्वाज एवं कार्तिक नाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों में जुटा प्रशासन, कलेक्टर ने स्टेडियम पहुंचकर देखी व्यवस्थाएं

अधिकारियों को समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश

बीजापुर। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला मुख्यालय के इंदिरा मिनी स्टेडियम में होने वाले मुख्य समारोह की व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर विश्वदीप ने शुक्रवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर चल रही तैयारियों को देखा और संबंधित अधिकारियों से अब तक की व्यवस्था की जानकारी ली। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय पर्व के आयोजन में किसी तरह की अव्यवस्था या कमी नहीं रहनी चाहिए, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय से निर्धारित समय में तैयारियां पूरी करें।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मुख्य मंच की व्यवस्था, अतिथियों एवं आमंत्रितों के लिए बैठक व्यवस्था, परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा इंतजाम, विद्युत व्यवस्था और पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों को समय-सीमा में पूरा करने के साथ तैयारियों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए।

हर व्यवस्था पर रहेगी नजर- कलेक्टर विश्वदीप ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस जिला मुख्यालय का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है। समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक शामिल होते हैं। ऐसे में कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित और बेहतर होना जरूरी है।

उन्होंने विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने तथा अंतिम समय में किसी तरह की परेशानी से बचने के लिए सभी तैयारियां पहले से पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत की सीईओ नम्रता चौबे,एसडीएम जागेश्वर कौशल,डीईओ राजेश पांडेय सहित जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों की समस्याओं पर श्रम पदाधिकारी के साथ हुई बैठक कई मुद्दों पर हुआ निर्णय

कांकेर। कांकेर नगर पालिका के प्लेसमेंट कर्मचारियों के विभिन्न समस्याओं को लेकर कल श्रम पदाधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अलर्ट सिक्युरिटी ब्यूरो के मालिक एवं यूनियन के साथ श्रम विभाग के दफ्तर में बैठक हुई। बैठक की जानकारी देते हुए यूनियन के इकाई महासचिव दिलीप साहू ने बताया कि कर्मचारियों का वेतन भुगतान निर्धारित निश्चित समय पर नहीं होना, साप्ताहिक अवकाश नहीं मिलना, अतिरिक्त कार्य का ओवरटाइम न मिलना, ई एसआई कार्ड के सभी त्रुटियों को नहीं सुधारना, सलाना बोनस भुगतान की मांगों पर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान यूनियन के प्रतिनिधियो ने अपना मांग किया कि श्रम कानून के तहत प्रत्येक माह के 7 तारीख तक समय पर वेतन भुगतान निश्चित किया जाए अन्यथा विलंब की स्थिति में श्रम कानून के मजदूरी भुगतान अधिनियम के तहत प्रतिकर के साथ भुगतान किया जाए। इसके साथ इस मांग को भी रखा कि साप्ताहिक अवकाश के बदले कार्य के दिवस का ओवरटाइम की राशि भुगतान किया जाए, ई एसआई कार्ड के सभी त्रुटियों को सुधार कर अविलंब सुधार कर वितरित किया जाए।

कोयाबाना आदिवासी संस्कृति संवर्धन संस्थान : विरासत से भविष्य तक की नई पहल-विश्व आदिवासी दिवस पर विशेष

संग्रहालय से आगे बढ़कर भाषा, संस्कृति, शोध और सामुदायिक रेडियो का बनेगा केंद्र

कांकेर। कांकेर 9 अगस्त 2026 विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर उत्तर बस्तर कांकेर जिले की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा, लोककला, भाषा और विरासत को संरक्षित करने तथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की दिशा में 'कोयाबाना आदिवासी संस्कृति संवर्धन संस्थान' एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभर रहा है। जिला प्रशासन के सौजन्य से विकसित की जा रही यह पहल केवल एक संग्रहालय तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे कांकेर की सांस्कृतिक पहचान, इतिहास, भाषा और लोकज्ञान के जीवंत केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है। कांकेर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ समृद्ध आदिवासी जीवनशैली, लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण, कृषि परंपराओं, हस्तशिल्प, लोककथाओं और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की अनूठी संस्कृति के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। कोयाबाना इसी अमूल्य सांस्कृतिक विरासत को व्यवस्थित रूप से संजोने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास है। 40 बच्चे सीख रहे गोंडी भाषा कोयाबाना की प्रमुख गतिविधियों में गोंडी भाषा शिक्षण विशेष आकर्षण का केंद्र है। वर्तमान में लगभग 40 बच्चे नियमित रूप से गोंडी भाषा सीख रहे हैं। इसके माध्यम से बच्चों को अपनी भाषा, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं कोयाबाना की गतिविधियों और प्रदर्शित विरासत को देखने के लिए प्रतिदिन लगभग 20 से 25 लोग पहुंच रहे हैं। विद्यार्थियों, युवाओं, स्थानीय नागरिकों और अन्य आगंतुकों की बढ़ती रुचि इसे एक जीवंत सांस्कृतिक केंद्र का स्वरूप दे रही है। विरासत के विविध रूपों का संरक्षण कोयाबाना में कांकेर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को विभिन्न आयामों में प्रस्तुत किया जा रहा है। यहां ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत, आदिवासी जीवनशैली, पारंपरिक वस्त्र एवं आभूषण, कृषि उपकरण, लोककला एवं हस्तशिल्प, पारंपरिक आवास और जीवन पद्धति, ऐतिहासिक स्थलों की फेटो गैलरी, गोंडी भाषा तथा स्थानीय लोकज्ञान को व्यवस्थित रूप से प्रदर्शित एवं संरक्षित करने का कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन की सामूहिक सोच का परिणाम कलेक्टर उत्तर बस्तर कांकेर के मार्गदर्शन में कोयाबाना को महज प्रदर्शनी स्थल न बनाकर जिले की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने वाले जीवंत संस्थान के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

गोंडी भाषा सीख रहे 40 बच्चे, प्रतिदिन 20-25 लोग पहुंच रहे कोयाबाना

प्रोजेक्ट पुनर्जीवन अंतर्गत पेडों के चारों ओर लगाये गये 1622 ट्री गार्ड, 362 स्थानों पर कांक्रीट के घेरों पेवर को हटाने का किया कार्य

रायपुर। रायपुर जिला प्रशासन के जनप्रिय पर्यावरण हितकारी प्रोजेक्ट पुनर्जीवन की अभिनव योजना के अंतर्गत पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका द्वारा पर्यावरण संरक्षण कार्य को लेकर व्यक्त की गई गहन चिंता के तत्काल पश्चात से रायपुर जिला क्षेत्र अतर्गत सभी 10 जोन कमिश्नरों द्वारा सतत मॉनिटरिंग कर प्रतिदिन नियमित अपने-अपने जोन क्षेत्र के सभी वार्डों में ऐसे सभी पौधों को चिन्हित करने का कार्य किया गया, जो पूर्व में चारों ओर से ट्री गार्ड एवं कांक्रीट के घेरों पेवर में घिरे हुए होने के कारण प्राकृतिक रूप से विकसित नहीं हो पा रहे थे। ऐसे समस्त पौधों को चिन्हित करके प्राकृतिक रूप से स्वतः विकसित होने एवं स्वयं मिट्टी, पानी प्राप्त करने पर्यावरण हितैषी वातावरण देने इन सभी पौधों को चारों ओर से घेरकर लगाये गये ट्री गार्ड और कांक्रीट के घेरों पेवर को हटाने का कार्य रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के अंतर्गत सभी 10 जोनों में निरन्तरता के साथ तेज गति से समाजहित में पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से करवाया गया। विभिन्न जोनों के भिन्न क्षेत्रों के स्थानों में इन सभी चिन्हित पौधों को समाज हित में पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से चारों ओर कॉंक्रीट के घेरे पेवर लगाकर लगाए गए लगभग 1622 ट्री गार्ड और लगभग 362 कांकीट के घेरों पेवर को समस्त जोन कमिश्नरों द्वारा वहां पहुंचकर हटवाये जाने का कार्य तेजी के साथ करवाया एवं सभी जोन कमिश्नर अपने जोन क्षेत्र में ऐसे सभी पौधों को स्वतः विकसित होने पानी प्राप्त कर सकने आवश्यक पर्यावरण हितैषी वातावरण कायम करने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया गया। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा ने उक्त कार्य को पहली प्राथमिकता में रखकर करवाने सभी जोन कमिश्नरो समाजहित में पर्यावरण संरक्षण कार्य हेतु स्पष्ट निर्देशित किया। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने राजधानी रायपुर शहर क्षेत्र के समस्त रहवासी नागरिको से रायपुर जिला प्रशासन की ओर से विनम्र अपील की कि वे ऐसे सभी पौधों को आवश्यक पानी खाद आदि देकर विकसित करने में सहभागी बनकर अपनी सक्रिय सहभागिता को दर्ज करवाने का कष्ट करें। ऐसा करने वाले सभी पर्यावरण प्रेमी नगरवासियों को पर्यावरण मित्र के रूप में रायपुर जिला प्रशासन के तत्त्ववधान में पर्यावरण हितैषी प्रोजेक्ट पुनर्जीवन योजना के अंतर्गत समाज में उनके द्वारा पर्यावरण हितकारी योगदान देने हेतु सम्मानित किया जायेगा। रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोन कमिश्नरों द्वारा करवाये जा रहे उक्त पर्यावरणहितैषी कार्यों की रायपुर नगर पालिक निगम आयुक्त संबित मिश्रा द्वारा स्वतः नियमित मॉनिटरिंग और कार्य की प्रगति की सतत समीक्षा रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर की गयी।

नशा मुक्ति और यातायात सुरक्षा पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

किरंदुल। किरंदुल पुलिस एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरंदुल के संयुक्त तत्वावधान में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिए निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता का विषय नशा मुक्ति रखा गया था, जिसमें 38 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। चित्रकला प्रतियोगिता का विषय यातायात जागरूकता एवं सुरक्षा था, जिसमें 40 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नशा मुक्ति एवं यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना था। निबंध प्रतियोगिता में हायर सेकेंडरी वर्ग प्रथमः कु. शशिकला, कक्षा 12वीं, माध्यमिक वर्ग प्रथमः रवि कड़ती, कक्षा 8वीं, चित्रकला प्रतियोगिताः हायर सेकेंडरी वर्ग प्रथमः कु. कावेरी, माध्यमिक वर्ग प्रथमः मुकेश बारसे रहे। प्रतियोगिता के उपरांत सभी प्रतिभागियों को सहभागिता एवं उत्साहवर्धन हेतु पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही उन्हें सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में किरंदुल थाना प्रभारी एवं पुलिस स्टाफ तथा विद्यालय की प्राचार्या एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सखी महिला समूह द्वारा सावन पर्व का उत्साहपूर्ण आयोजन

बिलासपुर । सखी महिला समूह, एस.ई.सी.एल, नर्मदा क्लब, वसंत विहार द्वारा दिनांक 06 अगस्त 2026 को सावन पर्व बड़े ही हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समूह की सभी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई तथा गुलाबी रंग की साड़ी धारण कर पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। महिलाओं ने एक-दूसरे को हरी चूड़ियां पहनाकर पारंपरिक सौहार्द का परिचय दिया एवं सुहाग सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, साथ ही संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को आनंदमय बना दिया। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं नेतृत्व समूह की सचिव श्रीमती खुशी क्षत्रिय , उप सचिव श्रीमती मोना कामले , कोषाध्यक्ष श्रीमती बिन्नी कुर्रे तथा सांस्कृतिक सचिव श्रीमती करुणा साहू द्वारा किया गया। अंत में कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में किया गया।

जयरामनगर स्टेशन में चलाया गया औचक टिकट चेकिंग अभियान

बिलासपुर । टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा एवं बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की रोकथाम तथा स्टेशनों में यात्रियों को रेलवे नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री डी एस चौहान के नेतृत्व में जयरामनगर स्टेशन में कल दिनांक 08 अगस्त 2026 को औचक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में वाणिज्य निरीक्षक, टीटीई स्टाफ तथा आरपीएफ स्टाफ शामिल थे। इस दौरान जयरामनगर स्टेशन एवं यहां से गुजरने वाली 26 गाड़ियों में औचक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया 7 इस अभियान में कुल 297 मामलों से 1 लाख 94 हजार 620 रुपये बतौर जुर्माना वसूले गए । जिसमें बिना टिकट के 245 मामले से 1,80,250 रुपए, अनियमित टिकट के 17 मामले से 10,670 रुपए तथा बिना बुक किए गए लगेज के 35 मामले से 3,700 रुपए शामिल है 7 रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के लिए उचित एवं वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश से पूर्व प्लेटफार्म टिकट अवश्य खरीदें। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए फुटओवर ब्रिज का ही उपयोग करें। रेलगाड़ी राष्ट्रीय संपत्ति है, इसे स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में रेल प्रशासन का सहयोग करें।

श्रावण मास पर मातृ गोष्ठी का आयोजन समपन्न हुआ

बिलासपुर । सरस्वती शिशु मंदिर, राजकिशोर नगर, बिलासपुर में सावन माह के पावन अवसर पर मातृ गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय से जुड़ी माताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। भजन-कीर्तन और भक्तिमय वातावरण के बीच माताओं ने सनातन संस्कृति एवं परंपराओं से बच्चों को जोड़ने की दिशा में विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यालय परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। मातृ गोष्ठी के दौरान माताओं ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सावन के पावन महीने में आयोजित इस कार्यक्रम ने माताओं को एक-दूसरे से जुड़ने और भारतीय संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में व्याख्याता श्रीमती प्रीतिबाला पटेल एवं श्रीमती आनंदी दुबे का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य भूपेंद्र गौरहा तथा व्याख्याता रमाकांत मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक से नदारद चार अधिकारियों को शो-कॉज नोटिस

भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर दूरदर्शी कार्ययोजना बनाएं विकास कार्यों में तेजी और गुणवत्ता हो: उपमुख्यमंत्री अरूण साव..

■ सड़क पर बिजली खंभे लगाने के मामले में प्रभारी मंत्री सख्त, जांच के निर्देश

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने कहा है कि समय की मांग बदल रही है, इसलिए अधिकारी वर्तमान के साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर दूरदर्शी कार्ययोजना बनाएं। विकास कार्यों में तेजी के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में विलंब को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करने की बात कही। श्री साव आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित अधिकारियों की बैठक में शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में विधायक श्री धरमलाल कौशिक, श्री धर्मजीत सिंह, श्री सुशांत शुक्ला एवं श्री दिलीप लहरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल सहित सभी जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री श्री साव ने बिल्हा के बरतोरी से मोहतरा मार्ग पर सड़क के बीच बिजली के खंभे खड़े किए जाने के मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला पंचायत सीईओ को मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच में दोषी पाए

जाने पर बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक से अनुपस्थित रहने वाले चार अधिकारियों के प्रति भी प्रभारी मंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने बिल्हा, कोटा और तखतपुर जनपद पंचायत के सीईओ तथा रतनपुर नगरपालिका के सीएमओ को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने विभागों के कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा करते रहने और मैदानी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। श्री साव ने कहा कि बिलासपुर शहर में पहली ही बारिश में जलभराव की स्थिति सामने आई है। इससे निपटने के लिए अभी से ऐसी बेहतर और स्थायी कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे आने वाले वर्षों में शहरवासियों को इस समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान सड़कों पर गड्ढे और क्षति की स्थिति बनती है। विभागीय अधिकारी इसकी तैयारी अभी से रखें, ताकि बारिश समाप्त होते ही सड़कों की मरम्मत और सुधार कार्य तत्काल शुरू किया जा सके। उन्होंने निर्माण विभागों की अलग से बैठक लेकर कार्यों की विस्तृत समीक्षा करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किए जाएं। प्रभारी मंत्री ने मलेरिया सहित मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए जिले की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने गांव स्तर पर लगातार निगरानी रखने तथा मितानिन स्तर तक आवश्यक एवं मूलभूत दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रायपुर स्टेशन पर रेलवे कर्मचारियों की तत्परता से यात्री को मिला समय पर उपचार

■ अस्वस्थ यात्री की तत्काल सहायता कर अस्पताल पहुंचाया, परिजनों को भी दी सूचना

बिलासपुर । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेलवे कर्मचारियों की सजगता, तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण सामने आया, जब गंभीर रूप से अस्वस्थ एक यात्री को समय पर सहायता प्रदान कर चिकित्सकीय उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। दिनांक 07 अगस्त 2026 को ट्रेन संख्या 18238 से रानी कमलापति से रायपुर की यात्रा कर रहे श्री यशवंत सिंह (56 वर्ष), एच-1 कोच में यात्रा कर रहे थे। ट्रेन के रायपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 5-6 पर पहुंचने के बाद यात्री ट्रेन से उतरे, लेकिन उनकी तबीयत अचानक अत्यधिक खराब हो गई और वे स्वयं खड़े होने की स्थिति में नहीं थे। ड्यूटी पर तैनात सीटीआई/रायपुर स्क्वाड की नजर यात्री पर पड़ी। उन्होंने तत्काल यात्री की स्थिति को समझते हुए उन्हें सहारा दिया, सुरक्षित रूप से लिटाया तथा बिना विलंब कमर्शियल कंट्रोल को सूचना देकर आवश्यक सहायता की व्यवस्था सुनिश्चित की। सूचना मिलते ही डिप्टी एसएस/कमर्शियल/रायपुर तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति की कमान संभाली। उन्होंने रेलवे चिकित्सक से संपर्क कर यात्री के लिए तत्काल चिकित्सकीय सहायता की व्यवस्था की तथा एंबुलेंस भी उपलब्ध कराई। साथ ही, यात्री के परिजनों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी देकर रेलवे द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सहायता से अवगत कराया। इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात सीसीटीसी/स्टेशन स्टाफ भी बैटरी कार के साथ मौके पर पहुंचे। सभी कर्मचारियों ने आपसी समन्वय से यात्री को अत्यंत सावधानीपूर्वक सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया।

सफलता की कहानी:सरस्वती साइकिल योजना से हंसिका के लिए शिक्षा की राह हुई आसान

बिलासपुर । किसी भी बेटी के सपनों को नई उड़ान देने के लिए केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि विद्यालय तक सहज पहुंच भी उतनी ही आवश्यक होती है। छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना इसी सोच को साकार कर रही है। यह योजना बेटियों को केवल साइकिल ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, समय की बचत और शिक्षा की नई दिशा भी दे रही है। जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, चकरभाठा की कक्षा 9वीं की छात्रा हंसिका नेताम इसकी जीवंत मिसाल हैं। हंसिका बताती हैं कि पहले विद्यालय आने-जाने में उन्हें काफी परेशानी होती थी। घर से स्कूल की दूरी तय करने में अधिक समय लग जाता था। कई बार समय पर विद्यालय पहुंचना भी चुनौती बन जाता था, जिससे

पढ़ाई और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ता था। प्रतिदिन लंबी दूरी तय करने से थकान भी महसूस होती थी। सरस्वती साइकिल योजना के तहत नि:शुल्क साइकिल मिलने के बाद हंसिका की दिनचर्या पूरी तरह बदल गई। अब वे कम समय में आसानी से विद्यालय पहुंच जाती हैं। पहले जहां स्कूल पहुंचने में काफी समय लगता था, वहीं अब घंटों की दूरी कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाती है। समय की बचत होने से उन्हें पढ़ाई, गृहकार्य, खेलकूद तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए भी पर्याप्त समय मिल जाता है। नियमित रूप से विद्यालय पहुंचने से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है और पढ़ाई के प्रति उनका उत्साह पहले से कहीं अधिक हो गया है। हंसिका कहती हैं कि साइकिल मिलने से उन्हें आत्मनिर्भर होने का एहसास हुआ है। अब वे बिना किसी पर निर्भर हुए स्वयं विद्यालय आती-जाती हैं। इससे उनके परिवार को भी राहत मिली है।

महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने हाइड्रोलिक रेल टैम्पिंग मशीन के प्रदर्शन का किया अवलोकन

■ आधुनिक मशीनरी से ट्रैक अनुरक्षण में गुणवत्ता, दक्षता एवं कार्य क्षमता को मिलेगा बढ़ावा

बिलासपुर । श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने आज बिलासपुर यार्ड में हाइड्रोलिक रेल टैम्पिंग मशीन की कार्यप्रणाली के प्रदर्शन का अवलोकन किया। इस दौरान हाइड्रोलिक रेल टैम्पिंग मशीन के माध्यम से रेलवे ट्रैक के अनुरक्षण एवं गुणवत्ता सुधार की आधुनिक तकनीक का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश को हाइड्रोलिक रेल टैम्पिंग मशीन की कार्यप्रणाली, इसकी तकनीकी विशेषताओं तथा ट्रैक अनुरक्षण में इसकी उपयोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। मशीन द्वारा ट्रैक में गिट्टी की प्रभावी टैम्पिंग एवं ट्रैक की ज्यामिति को बेहतर बनाए रखने की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य अभियंता श्री अवनीश कुमार पाण्डेय , मुख्य ट्रैक अभियंता श्री अखिलेश साहू एवं वरिष्ठ मंडल अभियंता श्री अरविंद विश्वकर्मा द्वारा मशीन के संचालन तथा ट्रैक अनुरक्षण में इसके महत्व की जानकारी दी गई। महाप्रबंधक महोदय को बताया गया कि आधुनिक हाइड्रोलिक टैम्पिंग मशीनों के उपयोग से ट्रैक अनुरक्षण कार्यों में सटीकता, कार्य क्षमता एवं गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायता मिलती है। साथ ही, ट्रैक की बेहतर स्थिति बनाए रखने से रेल परिचालन को अधिक संरक्षित एवं सुचारु बनाने में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान है। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने मशीन की कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए आधुनिक तकनीक एवं मशीनरी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से ट्रैक अनुरक्षण कार्यों को और अधिक दक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने पर जोर दिया। प्रदर्शन के दौरान अपर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार, मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन, मुख्य इंजीनियर, प्लानिंग एण्ड डिजाइन श्री देव राज, मुख्य इंजीनियर, ट्रैक मशीन श्री नीरज कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक, इन्फ्रा श्री जे एस मीना, महाप्रबंधक के सचिव श्री प्रदीप मिश्रा, उप महाप्रबंधक (सा.) श्री समीर कांत माथुर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा से लेकर संगठन तक,जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ा रहे अमर अग्रवाल

■ साइकिल वितरण कार्यक्रम में छात्राओं को मिला प्रोत्साहन, कार्यकर्ता सम्मेलन में संगठन की मजबूती पर हुआ मंथन

बिलासपुर। विधायक एवं पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन अमर अग्रवाल ने शनिवार को शहर में आयोजित दो अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए।आंध्रा समाज कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सरस्वती साइकिल योजना के तहत छात्राओं को साइकिल वितरित कर उन्होंने बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने का संदेश दिया, वहीं सिंधी कॉलोनी स्थित सिंधु पंचायत भवन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में पश्चिम मंडल के कार्यकर्ताओं से संवाद कर संगठन की गतिविधियों एवं जनसेवा से जुड़े विषयों पर चर्चा की। रेलवे परिक्षेत्र स्थित आंध्रा समाज कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अमर अग्रवाल ने सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत 25 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल प्रदान की। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा को सुगम और निरंतर बनाने के लिए ऐसी योजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विद्यालय तक आने-जाने की सुविधा मिलने से छात्राओं में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ेगा और वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों के हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक संसाधनों और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित और संस्कारवान समाज के निर्माण में बेटियों की शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती पूजा विधानी, भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक सिंह ठाकुर, पार्षद एवं एमआईसी सदस्य प्रकाश यादव, पार्षद एवं जोन अध्यक्ष एम. श्रीणु राव सहित आंध्रा समाज के पदाधिकारी, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, अभिभावक एवं नागरिक उपस्थित रहे। इसके पश्चात अमर अग्रवाल ने सिंधी कॉलोनी स्थित सिंधु पंचायत भवन में पश्चिम मंडल के कार्यकर्ता सम्मेलन में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ता साथियों से आत्मीय संवाद करते हुए संगठन की गतिविधियों, आगामी कार्ययोजनाओं और जनसेवा के विषयों पर विचार-विमर्श किया।

उप मुख्यमंत्री ने किया अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम का शुभारंभ

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज बिलासपुर के सरकंडा में अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम का शुभारंभ किया। खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ कार्यक्रम से जुड़े। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रमके सहयोग से राज्य शासन के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा इसकी स्थापना की गई है। इसकी शुरुआत सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, आधुनिक एवं हितग्राही-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस अवसर पर विधायक श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी और जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी भी मौजूद थे उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इस अभिनव पहल को आम जनता को समर्पित करते हुए इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली में तकनीकी नवाचार, पारदर्शिता एवं सुगम सेवा वितरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राशन कार्डधारी हितग्राही, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शुभारंभ के दौरान अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के प्रति लोगों में विशेष उत्साह एवं जिज्ञासा देखने को मिली। मशीन के माध्यम से खाद्यान्न वितरण की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया, जिसे देखकर उपस्थित नागरिकों ने इस आधुनिक व्यवस्था की सराहना की।

अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम की कार्यप्रणाली -अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के माध्यम से राशन प्राप्त करने की प्रक्रिया अत्यंत सरल, सुरक्षित एवं पारदर्शी है। हितग्राही मशीन के समक्ष निर्धारित स्थान पर खड़ा होकर आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण (फिंगरप्रिंट) करता है। इसके पश्चात स्क्रीन पर उपलब्ध राशन एवं उसकी मात्रा प्रदर्शित होती है, जिसकी पुष्टि हितग्राही द्वारा की जाती है। हितग्राही अपने खाली बैग अथवा थैले को डिस्पेंसर के नीचे रखकर डिस्पेंस बटन दबाता है। कुछ ही सेकंड में निर्धारित मात्रा का खाद्यान्न स्वत: मशीन से निकलकर बैग में भर जाता है। इसके बाद हितग्राही राशन प्राप्त कर स्क्रीन पर प्रदर्शित संदेश की पुष्टि करता है। यह प्रणाली राशन वितरण में मानवीय त्रुटियों को कम करने, समय की बचत करने तथा हितग्राहियों को त्वरित, सटीक एवं पारदर्शी सेवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जनता में उत्साह का माहौल-अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के शुभारंभ से आम जनता एवं राशन कार्डधारी हितग्राहियों में विशेष उत्साह का माहौल देखने को मिला। हितग्राहियों ने मशीन की सरल कार्यप्रणाली, सटीक तौल एवं त्वरित वितरण व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली में एक सकारात्मक परिवर्तन बताया। नागरिकों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस तकनीक आधारित व्यवस्था से राशन वितरण अधिक पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनेगा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, खाद्य नियंत्रक श्री अमृत कुजूर, नान जिला प्रबंधक श्री नितिन दीवान, सुश्री नताशा कुमारी पनवार (डुस्लाक) सहित जनप्रतिनिधि और खाद्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के प्रारंभ होने से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में तकनीक आधारित सुधारों को नई गति मिलेगी तथा हितग्राहियों को अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। यह पहल छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

भोलेनाथ को क्यों नहीं चढ़ती है मेहंदी, हल्दी और तुलसी सहित 10 चीजें

श्रावण मास में शिवलिंग की पूजा का खासा महत्व और पुण्य रहता है। हालांकि शिवलिंग पर कोई भी चीज अर्पित करने या चढ़ाने से पहले जान लें कि क्या नहीं चढ़ाना चाहिए अन्यथा शिवजी नाराज हो सकते हैं।

कुमकुम या रोली

कुमकुम और रोली भी शिवलिंग पर नहीं लगायी जाती है। यह विष्णुप्रिया लक्ष्मी और सुहाग का प्रतीक है। इसलिए इसे भी अर्पित नहीं किया जाता है।

शंख या शंख से जल

भगवान विष्णु को प्रिय है शंख। शिवजी ने शंखचूर नामक असुर का वध किया था इसलिए शंख भगवान शिव की पूजा में वर्जित माना गया है। शंख को उसी असुर का प्रतीक माना जाता है, जो भगवान विष्णु का भक्त था।

सिंदूर

शिव पुराण में महादेव को विनाशक बताया गया हैं। कारण यह है कि भगवान शिव वैरागी हैं और वैरागी लोग अपने माथे पर राख डालते हैं, सिंदूर नहीं। सिंदूर सुगाह का प्रतीक है।

फूल

केतकी, मदंती, केवड़ा, जूही, कुंद, शिरीष, कदंब के फूल, सेमल के फूल, सारहीन/ कठूमर के फूल, कपास के फूल, पत्रकंटक के फूल, गंभारी के फूल, बहेड़ा के फूल, तिंतिणी के फूल, गाजर के फूल, कैथ के फूल, कोष्ठ के फूल, कनेर, कमल और धव के फूल। लाल रंग के फूल भी नहीं चढ़ाते हैं।

हल्दी

हल्दी को माता लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। हल्दी उपयोग मुख्य रूप से सौंदर्य प्रसाधन में भी किया जाता है। इसीलिए हल्दी को शिवलिंग पर नहीं चढ़ता हैं। लेकिन साल में सिर्फ एक बार महाशिवरात्रि के दूसरे दिन शिव जी को हल्दी चढ़ाई जाती है जब उनका विवाह हुआ था।

मेहंदी

मेहंदी का उपयोग भी सौंदर्य प्रसाधन में किया जाता है और यह भी सुहाग का प्रतीक भी है। इसलिए शिवजी को यह अर्पित नहीं करते हैं।

तुलसी

तुलसी पहले वृंदा के रूप में जालंधर की पत्नी थी, जिसका शिवजी ने वध किया था। वृंदा इससे दुःखी होकर बाद में तुलसी का पौधा बन गई थी। इसलिए भगवान शिव को उन्होंने अपने आलौकिक और देवीय गुणों वाले तत्वों से वंचित कर दिया। दूसरा भगवान विष्णु ने तुलसी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया है इसलिए भी शिवलिंग पर तुलसी नहीं चढ़ानी चाहिए।

तिल

कई लोग जल या दूध अर्पित करते वक्त उसमें काले तिल मिलाकर अर्पित करते हैं। तिल को भगवान विष्णु के मैल से उत्पन्न हुआ माना जाता और इसे शनिदेव एवं पितरों को ही अर्पित किया जाता है। इसलिए इसे भगवान शिव को नहीं अर्पित किया जाना चाहिए।

चावल

कुछ मौकों को छोड़कर शिवजी को चावल भी अर्पित नहीं करते हैं। खासकर टूटे चावल तो भूलकर भी अर्पित नहीं करते हैं।

नारियल

शिवजी को नारियल या नारियल का पानी भी अर्पित नहीं किया जाता, क्योंकि हरियल को श्रीफल कहते हैं। श्रीफल यानी की लक्ष्मी माता का स्वरूप। माता लक्ष्मी को शिवजी को कैसे अर्पित कर सकते हैं? शिव पर अर्पित होने के बाद नारियल या नारियल पानी ग्रहण योग्य नहीं रह जाता है और शिवजी नाराज हो जाते हैं।

भोलेनाथ शिव के शुभ प्रतीक

भगवान शिव के शुभ चिन्ह या प्रतीक बहुत ही महत्व रखते हैं। उनके प्रत्येक शुभ प्रतीकों के पीछे कुछ न कुछ रहस्य छुपा हुआ है। आंकड़े के फूल, बिल्वपत्र, जल, दूध और चंदन के अलावा भी कई चीजें उन्हें प्रिय है। आओ जानते हैं ऐसी ही बातें जिनसे पहचानें जाते हैं भगवान भोलेनाथ।

शिवलिंग

भगवान शिव के निर्गुण और निराकार रूप का प्रतीक है शिवलिंग। यह ब्रह्म, आत्मा और ब्रह्मांड का प्रतीक भी है। वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुनः सृष्टिकाल में जिससे सृष्टि प्रकट होती है उसे शिवलिंग कहते हैं।

त्रिशूल

भगवान शिव के पास हमेशा एक त्रिशूल ही होता था। त्रिशूल 3 प्रकार के कष्टों दैनिक, दैविक, भौतिक के विनाश का सूचक भी है। इसमें 3 तरह की शक्तियां हैं- सत, रज और तम। त्रिशूल के 3 शूल सृष्टि के क्रमशः उदय, संरक्षण और लयीभूत होने का प्रतिनिधित्व करते भी हैं। शैव मतानुसार शिव इन तीनों भूमिकाओं के अधिपति हैं। यह शैव सिद्धांत के पशुपति, पशु एवं पाश का प्रतिनिधित्व करता है। माना जाता है कि यह महाकालेश्वर के 3 कालों (वर्तमान, भूत, भविष्य) का प्रतीक भी है। इसके अलावा यह स्पंदि, ब्रह्मांड और शक्ति का परम पद से एकत्व स्थापित होने का प्रतीक है। यह वाम भाग में स्थिर इड़ा, दक्षिण भाग में स्थित पिंगला तथा मध्य देश में स्थित सुषुम्ना नाड़ियों का भी प्रतीक है।

रुद्राक्ष

माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति शिव के आंसुओं से हुई थी। धार्मिक ग्रंथानुसार 21 मुख तक के रुद्राक्ष होने के प्रमाण हैं, परंतु वर्तमान में 14 मुखी के पश्चात सभी रुद्राक्ष अप्राप्य हैं। इसे धारण करने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है रक्त प्रवाह भी संतुलित रहता है।

त्रिपुंड तिलक

माथे पर भगवान शिव त्रिपुंड तिलक लगाते हैं। यह तीन लंबी धारियों वाला तिलक होता है। यह त्रिलोक्य और त्रिगुण का प्रतीक है। यह सतोगुण, रजोगुण और तपोगुण का प्रतीक भी है। त्रिपुंड दो प्रकार का होता है- पहला तीन धारियों के बीच लाल रंग का एक बिंदु होता है। यह बिंदु शक्ति का प्रतीक होता है। आम इंसान को इस तरह का त्रिपुंड नहीं लगाना चाहिए। दूसरा होता है सिर्फ तीनधारियों वाला तिलक या त्रिपुंड। इससे मन एकाग्र होता है।

भभूत या भस्म

शिव अपने शरीर पर भस्म धारण करते हैं। भस्म जगत की निस्सारता का बोध कराती है। भस्म आकर्षण, मोह आदि से मुक्ति का प्रतीक भी है। देश में एकमात्र जगह उज्जैन के महाकाल मंदिर में शिव की भस्म आरती होती है जिसमें श्मशान की भस्म का इस्तेमाल किया जाता है। यज्ञ की भस्म में वैसे कई आयुर्वेदिक गुण होते हैं। प्रलयकाल में समस्त जगत का विनाश हो जाता है, तब केवल भस्म (राख) ही शेष रहती है। यही दशा शरीर की भी होती है।

डमरू

सभी हिन्दू देवी और देवताओं के पास एक न एक वाद्य यंत्र रहता है। उसी तरह भगवान के पास डमरू था, जो नाद का प्रतीक है। भगवान शिव को संगीत का जनक भी माना जाता है। उनके पहले कोई भी नाचना, गाना और बजाना नहीं जानता था। नाद अर्थात ऐसी ध्वनि, जो ब्रह्मांड में निरंतर जारी है जिसे 'ऊँ' कहा जाता है। संगीत में अन्य स्वर तो आते-जाते रहते हैं, उनके बीच विद्यमान केंद्रीय स्वर नाद है। नाद से ही वाणी के चारों रूपों की उत्पति मानी जाती है- 1.पर, 2.पश्यंती, 3. मध्यमा और 4.वैखरी।

शिव कुंडल

हिन्दुओं में एक कर्ण छेदन संस्कार है। शैव, शाक्त और नाथ संप्रदाय में दीक्षा के समय कान छिदवाकर उसमें मुद्रा या कुंडल धारण करने की प्रथा है। प्राचीन मूर्तियों में प्रायः शिव और गणपति के कान में सर्प कुंडल, उमा तथा अन्य देवियों के कान में शंख अथवा पत्र कुंडल और विष्णु के कान में मकर कुंडल देखने में आता है। दो कान के छल्ले, जिन्हें अलक्ष्य (जिसका अर्थ है जो किसी भी माध्यम के द्वारा दिखाया नहीं जा सकता) और निरंजन (जिसका अर्थ है जो नश्वर आंखों से नहीं देखा जा सकता है), भगवान द्वारा पहनें गए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रभु के बाएं कान का कुंडल महिला स्वरूप द्वारा इस्तेमाल किया गया है और उनके दाएं कान का कुंडल पुरूष स्वरूप द्वारा इस्तेमाल किया गया है। दोनों कानों में विभूषित कुंडल शिव और शक्ति (पुरुष और महिला) के रूप में सृष्टि के सिद्धांत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

चन्द्रमा

शिव का एक नाम 'सोम' भी है। सोम का अर्थ चन्द्र होता है। शिव द्वारा चन्द्रमा को धारण करना मन के नियंत्रण का भी प्रतीक है। हिमालय पर्वत और समुद्र से चन्द्रमा का सीधा संबंध है। विश्व का पहला ज्योर्तिलिंग सोमनाथ में चंद्रदेव ने ही स्थापित किया था। मूलतः शिव के सभी त्योहार और पर्व चान्द्रमास पर ही आधारित होते हैं। शिवरात्रि, महाशिवरात्रि आदि शिव से जुड़े त्योहारों में चन्द्र कलाओं का महत्व है। यह अर्द्धचन्द्र शैवपंथियों और चन्द्रवंशियों के पंथ का प्रतीक चिह्न है। मध्य एशिया में यह मध्य एशियाई जाति के लोगों के ध्वज पर बना होता था। चंगेज खान के झंडे पर अर्द्धचन्द्र होता था। इस अर्धचंद्र का ध्वज पर होने का अपना ही एक अलग इतिहास है।

जटाएं और गंगा

शिव अंतरिक्ष के देवता हैं। उनका नाम व्योमकेश है अतः आकाश उनकी जटास्वरूप है। जटाएं वायुमंडल की प्रतीक हैं। वायु आकाश में व्याप्त रहती है। सूर्य मंडल से ऊपर परमेष्ठि मंडल है। इसके अर्थ तत्व को गंगा की संज्ञा दी गई है अतः गंगा शिव की जटा में प्रवाहित है। शिव रुद्रस्वरूप उग्र और संहारक रूप धारक भी माने गए हैं। गंगा को जटा में धारण करने के कारण ही शिव को जल चढ़ाए जाने की प्रथा शुरू हुई। जब स्वर्ग से गंगा को धरती पर उतारने का उपक्रम हुआ तो यह भी सवाल उठा कि गंगा के इस अपार वेग से धरती में विशालकाय छिद्र हो सकता है, तब गंगा पाताल में समा जाएगी। ऐसे में इस समाधान के लिए भगवान शिव ने गंगा को सर्वप्रथम अपनी जटा में विराजमान किया और फिर उसे धरती पर उतारा। गंगोत्री तीर्थ इसी घटना का गवाह है।

कमंडल

कमंडल में जल होता है जो अमृत का प्रतीक है। कमंडल हर संत या योगी के पास होता है।

हस्ति चर्म और व्याघ्र चर्म

शिव अपनी देह पर हस्ति चर्म और व्याघ्र चर्म को धारण करते हैं। हस्ती अर्थात हाथी और व्याघ्र अर्थात शेर। हस्ती अभिमान का और व्याघ्र हिंसा का प्रतीक है अतः शिवजी ने अहंकार और हिंसा दोनों को दबा रखा है। बाघ शक्ति और सत्ता का प्रतीक है तथा शक्ति की देवी का वाहन है। भगवान शिव अक्सर इस पर बैठते हैं या इस खाल को पहनते है, जोकि यह दर्शाता है कि वह शक्ति के मालिक हैं और सभी शक्तियों से ऊपर हैं।

वासुकि और नंदी

वृषभ शिव का वाहन है। वे हमेशा शिव के साथ रहते हैं। वृषभ का अर्थ धर्म है। मनुस्मृति के अनुसार 'वृषो हि भगवान धर्मः'। वेद ने धर्म को 4 पैरों वाला प्राणी कहा है। उसके 4 पैर धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष हैं। महादेव इस 4 पैर वाले वृषभ की सवारी करते हैं यानी धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष उनके अधीन हैं। एक मान्यता के अनुसार वृषभ को नंदी भी कहा जाता है, जो शिव के एक गण हैं। नंदी ने ही धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र, कामशास्त्र और मोक्षशास्त्र की रचना की थी।
उसी प्रकार शिव को नागवंशियों से घनिष्ठ लगाव था। नाग कुल के सभी लोग शिव के क्षेत्र हिमालय में ही रहते थे। कश्मीर का अनंतनाग इन नागवंशियों का गढ़ था। नाग कुल के सभी लोग शैव धर्म का पालन करते थे। भगवान शिव के नागेश्वर ज्योतिर्लिंग नाम से स्पष्ट है कि नागों के ईश्वर होने के कारण शिव का नाग या सर्प से अटूट संबंध है। भारत में नागपंचमी पर नागों की पूजा की परंपरा है। विरोधी भावों में सामंजस्य स्थापित करने वाले शिव नाग या सर्प जैसे क्रूर एवं भयानक जीव को अपने गले का हार बना लेते हैं। लिपटा हुआ नाग या सर्प जकड़ी हुई कुंडलिनी शक्ति का प्रतीक है।

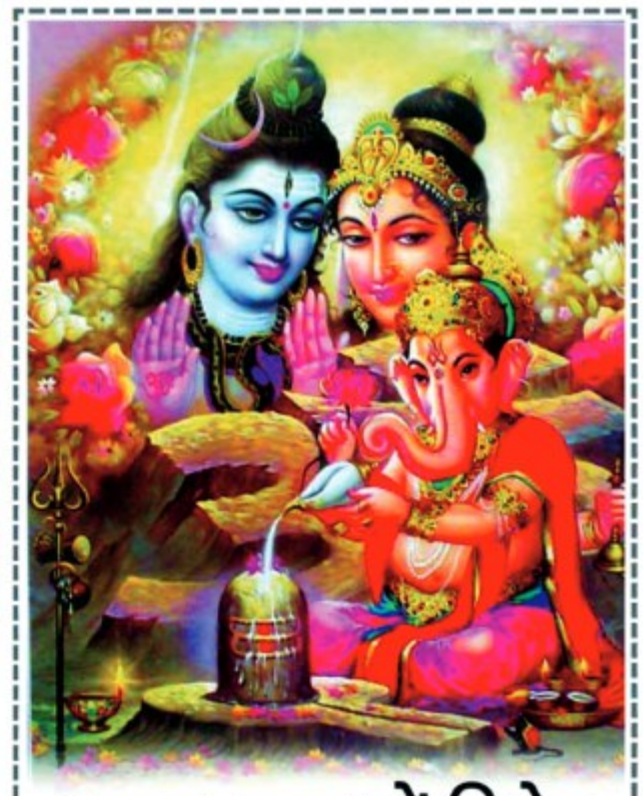

श्रावण मास में विशेष फलदायी हैं श्री गणेश के मंत्र

श्रावण भगवान भोलेनाथ का माह माना जाता है लेकिन पुराणों में वर्णित है कि इसी माह श्री गणेश, माता पार्वती और श्री कृष्ण की आराधना भी शुभ है। श्री गणेश के मंत्र श्रावण मास में विशेष फलदायी हैं। मंत्र -

गजाननं भूतगणादिसेवितं कपित्थ जम्बू फल चारुन भक्षणम।
उमासुतं शोक विनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वर पादपंकजम।।
वर्णानामार्थ संधानम रसानाम छन्दसामपि।
मंगलानाम महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरुमेदेव सर्व कार्येषु सर्वदा।
रक्ष-रक्ष गणाध्यक्ष रक्ष त्रैलोक्य रक्षक।
भक्तानामभयं कर्त्ता त्राताभव भवार्णवात।।
द्वैमातुर कृपासिन्धो! षाष्मातुराग्रज प्रभो।
वरद त्वं वर देहि वांछितं वांत्रिछतार्थद।।
अनेन सफलार्ध्येण फलदांस्तु सदामम।।
विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय, लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय
नागाननाय श्रुतियज्ञ विभूषिताय
गौरी सुताय नमस्तुभ्यं सततं मोदक प्रिय।
लम्बोदरं नमस्तुभ्यं सततं मोदक प्रिय।
निर्विघ्नं कुरुमेदेव, सर्व कार्येषु सर्वदा।

नारद उवाच

प्रणम्य शिरसा देवं गौरी पुत्रं विनायकम।
भक्तावासं सस्मरेन्नित्रुमायुः कामार्थ सिद्धये।।
प्रथमं वक्रतुण्डं च एक दन्तं द्वितीयकम।
तृतीयं कृष्णपिंगाक्षं गजवक्त्रं चतुर्थकम।।
लम्बोदरं पंचमं च षष्टं विकटमेव च।
सप्तमं विघ्नराजेन्द्रं धूम्रवर्णं तथाष्टकम।।
नवमं भालचन्द्रं च दशमं तु विनायकम।
एकादशं गणपति द्वादशं तु गजाननम।।
द्वादशैतानि नामानि त्रिसंध्यं यः पठेन्नरः।
न च विघ्नभयं तस्य सर्व सिद्धि करं परम।
विद्यार्थी लभते विद्यां धनार्थी लभते धनम।।
पुत्रार्थी लभते पुत्रान मोक्षार्थी लभते गतिम।।
जपेद् गणपति स्त्रोमं षड्भिर्मासैः फलं लभेत।
संवत्सरेण सिद्धिं लभते नात्र संशयः।।
अष्टभ्यो ब्राह्मणेभ्यं च लिखित्वाम यः समर्पयेत।
तस्य विद्या भवेत्सर्वा गणेशस्य प्रसादतः।।
ऊँ सुमुखश्चैक दन्तश्च कपिलो गजकर्णकः।
लम्बोदरश्च विकटो विघ्न नाशो गणाधिपः।।
धूम्रकेतुः गणाध्यक्षो भालचन्द्रो गजानन।
द्वादशैतानि नामानि यपठेच्छशुनयादपि।।
विद्यारम्भे विवाहे च प्रवेशे निर्गमे तथा।
संग्रामे संकटेश्चैव विघ्नः तस्य न जायते।।
शुक्लाम्बरधरं देवं शशि वर्णं चतुर्भुजं।
प्रसन्नवदनं ध्याये सर्व विघ्नो प्रशान्तये।।
अभीष्टिसतार्थ सिध्यर्थ पूजितो यः सुरासुरैः।
सर्वविघ्न हरस्तस्मै गणाधिपतये नमः।।
सर्वमंगल मांग्ल्यै शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्ये त्र्यम्बिके गौरी नारायणी नमोस्तुते।।

श्रावण मास में शिव भक्ति से मिलेगी शनि कष्टों से मुक्ति

श्रावण मास में मंदिर जाकर शिव परिवार की धूप, दीप, नेवैद्य, फल और फूलों आदि से पूजा करके सारा दिन उपवास करें। शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाकर उनका दूध से अभिषेक करें। शाम को मीठा भोजन करें। अगले दिन भगवान शिव के पूजन के पश्चात यथाशक्ति दान आदि देकर ही व्रत का पारण करें। अपने किए गए संकल्प के अनुसार व्रत करके उनका विधिवत उद्यापन किया जाना चाहिए। जो लोग सच्चे भाव एवं नियम से भगवान की पूजा, स्तुति करते हैं वह मनोवांछित फल प्राप्त करते हैं। इन व्रतों में सफेद वस्त्र धारण करके सफेद चंदन का तिलक लगाकर ही पूजन करना चाहिए तथा सफेद वस्तुओं के दान की ही सर्वाधिक महिमा है।

दान करने वाली वस्तुएं- बर्फी, सफेद चंदन, चावल, चांदी, मिश्री, गाय का घी, दूध, दही, खीर, सफेद पुष्पों का दान सायंकाल में करने से जहां मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, वहीं घर में खुशहाली भी आती है।

क्या खाएं- खीर, पूरी, दूध, दही, चावल। इस व्रत में नमक नहीं खाना चाहिए।

किस मंत्र का करें जाप- 'ऊँ नमः शिवाय' एवं 'महामृत्युंजय' मंत्र के अतिरिक्त चंद्र बीज मंत्र 'ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः' और चंद्र मूलमंत्र 'ऊँ चं चन्द्रमसे नमः'।

व्रत से मिलने वाले लाभ- मानसिक सुख एवं शांति का शरीर में प्रवाह होगा। व्यापार में वृद्धि होगी, परिवार में खुशहाली आएगी। जिस कामना से व्रत किया जाएगा, वह अवश्य पूरी होगी। आप शनि के प्रकोप से पीड़ित हैं तो इस श्रावण माह में सच्चे मन से शिवजी से अपनी पीड़ा कहें। इससे वह आपकी पीड़ा जरूर सुनेंगे और उसे दूर करेंगे।

शिव शनि के कष्टों से दिलाएंगे मुक्ति- यदि जन्मकुंडली में शनि, राहु, केतु व अन्य कष्टकारी ग्रह शारीरिक कष्ट इत्यादि दे रहे हैं तो आपको श्रावण में शिव पूजा प्रारंभ कर देनी चाहिए और पूरे माह शिवजी का पूजन करना चाहिए। धनु, वृश्चिक और मकर राशि वाले शनि की साढ़ेसाती से परेशान हैं तो, श्रावण में रुद्राभिषेक अवश्य करें और शिवलिंग के सामने बैठकर शनि के बीज मंत्र का जप करें। इसके अलावा उन्हें सुंदरकांड का पाठ भी करना चाहिए।

रिसाली निगम में कार्यशाला आयोजित, आंतरिक परिवाद समिति की कार्यप्रणाली की दी गई जानकारी

कार्यस्थल पर उत्पीड़न की शिकायत अब पुरुष भी कर सकेंगे

रिसाली। कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रिसाली नगर निगम के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर आयोजित इस कार्यशाला में मेरी भागीदारी संस्था की निशा देशमुख और अमोल मालुसरे ने आंतरिक परिवाद समिति (आईसीसी) के गठन, कार्यप्रणाली और शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।निशा देशमुख ने कहा कि समाज में महिला और पुरुष दोनों की समान सहभागिता है तथा महिलाएं हर क्षेत्र में बराबरी के अधिकार के साथ कार्य कर रही हैं। कई बार विषम परिस्थितियों में महिलाएं सामाजिक और व्यक्तिगत सम्मान प्रभावित होने के डर से शिकायत करने से हिचकिचाती हैं। उन्होंने कर्मचारियों को बताया कि आंतरिक परिवाद समिति में की गई शिकायत और उस पर होने वाली कार्रवाई गोपनीय रखी जाती है। ऐसे में शिकायतकर्ता की पहचान सार्वजनिक होने का सवाल नहीं उठता।उन्होंने बताया कि कार्यस्थल पर उत्पीड़न से संबंधित शिकायत पुरुष कर्मचारी भी आंतरिक परिवाद समिति के समक्ष रख सकते हैं। कार्यशाला में कर्मचारियों को उनके अधिकारों और शिकायत की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

समिति स्वयं भी ले सकती है संज्ञान

निशा देशमुख ने बताया कि आंतरिक परिवाद समिति का कार्यक्षेत्र व्यापक है। कई बार पीड़िता भय या अन्य कारणों से स्वयं शिकायत नहीं कर पाती। ऐसी स्थिति में यदि किसी घटना की जानकारी समिति के संज्ञान में आती है तो समिति बैठक बुलाकर मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर सकती है। उन्होंने कहा कि घटना सामने आने पर पीड़ित पक्ष की ओर से कोई अन्य व्यक्ति भी समिति के समक्ष शिकायत प्रस्तुत कर सकता है। हालांकि शिकायत की प्रमाणिकता से जुड़े आवश्यक तथ्यों को प्रस्तुत करना होगा।

दोष सिद्ध होने पर नौकरी भी जा सकती है

कार्यशाला में बताया गया कि शिकायत की जांच के बाद यदि आरोप सिद्ध होते हैं तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। पर्याप्त आधार मिलने पर समिति बर्खास्तगी, वेतन वृद्धि रोकने अथवा अन्य निर्धारित दंड की अनुशंसा करते हुए अपना प्रतिवेदन नियोक्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकती है। इसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।

आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और अधिकारों का सम्मान जरूरी : बदरुद्दीन कुरैशी

विश्व आदिवासी दिवस पर पूर्व राज्य मंत्री ने प्रदेश एवं देश-दुनिया के आदिवासी समाज को दी शुभकामनाएं

भिलाई। छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्य मंत्री बदरुद्दीन कुरैशी ने 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर प्रदेश सहित देश और दुनिया के आदिवासी समाज को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने आदिवासी समाज के गौरवशाली संघर्ष, समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति संरक्षण में उनके योगदान को नमन किया।कुरैशी ने कहा कि आदिवासी समुदाय सदियों से जल, जंगल और जमीन के साथ जैव विविधता, पारंपरिक ज्ञान, भाषा और संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। उनकी जीवनशैली प्रकृति के साथ संतुलन और सह-अस्तित्व का संदेश देती है।उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाने का उद्देश्य आदिवासी समुदायों के अधिकारों, पहचान, संस्कृति और सम्मान के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाना है। आज आवश्यकता है कि आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास के अवसरों को और अधिक मजबूत किया जाए।पूर्व राज्य मंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज की परंपरागत ज्ञान संपदा और विलुप्त होती भाषाओं के संरक्षण के लिए भी प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि समानता, न्याय, सम्मान और अधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का दिन है।कुरैशी ने कहा कि सभी को मिलकर ऐसे समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए, जहां आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और अधिकारों का सम्मान हो तथा विकास की मुख्यधारा में उनकी समान और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित हो।उन्होंने आदिवासी समाज की एकता, संस्कृति और स्वाभिमान को सलाम करते हुए विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दीं।

निगम की कार्रवाई, नंदिनी रोड पर अवैध रूप से सड़क घेरकर रखी रेत जब्त

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार शहर में सड़क बाधित कर किए जा रहे अवैध अतिक्रमण एवं नियम विरुद्ध व्यापार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जोन क्रमांक-3 मदर टेरेसा नगर के राजस्व विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने नंदिनी रोड स्थित सीमेंट दुकान पर कार्रवाई की।

निगम को प्राप्त शिकायत के आधार पर जांच की गई, जिसमें दुकान संचालक द्वारा सड़क पर अवैध रूप से रेत रखकर यातायात में बाधा उत्पन्न करते हुए व्यापार किए जाने की पुष्टि हुई। कार्रवाई के दौरान निगम की टीम ने सड़क पर रखी रेत को जब्त कर हटाने की कार्रवाई की तथा संबंधित संचालक को भविष्य में सार्वजनिक मार्ग पर निर्माण सामग्री रखकर अतिक्रमण नहीं करने की सख्त चेतावनी दी। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़कों एवं मार्गों पर निर्माण सामग्री, रेत, गिट्टी या अन्य सामान रखकर आवागमन बाधित करना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। निगम प्रशासन ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण न करें और शहर की यातायात व्यवस्था एवं स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

बार एवं रॉड मिल में कैपिटल रिपेयर के शुभारंभ पर कार्यपालक निदेशक (संकार्य) का 'सुरक्षा संवाद'

शून्य दुर्घटना लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सुरक्षा के प्रति सजग रहने का किया आह्वान

भिलाई। इस्पात संयंत्र के ÷शून्य दुर्घटना÷ के लक्ष्य की प्राप्ति एवं सुरक्षित कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से संयंत्र की अग्रणी उत्पादन इकाई बार एवं रॉड मिल में कैपिटल रिपेयर के शुभारंभ के अवसर पर कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों से सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से संवाद किया तथा सुरक्षित कार्य संस्कृति को अपनाने का आह्वान किया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में राकेश कुमार ने कहा कि सुरक्षित कार्य संस्कृति उत्कृष्ट उत्पादन, गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन एवं संगठन की दीर्घकालिक सफलता का मूल आधार है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी का प्रथम दायित्व स्वयं की तथा अपने सहकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सुरक्षा नियमों का ईमानदारी एवं अनुशासनपूर्वक पालन ही दुर्घटनाओं की रोकथाम का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कार्यस्थल पर अपनाई जाने वाली व्यावहारिक सुरक्षा सावधानियों का उल्लेख करते हुए ऑक्सीजन सिलेंडरों के सुरक्षित परिवहन, गैस कटिंग सेट के सुरक्षित संचालन तथा क्रेन संचालन एवं उसकी आवाजाही के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों के अक्षरशः पालन पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों में क्षणिक लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित कार्य-पद्धतियों एवं सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ पालन करना चाहिए। राकेश कुमार ने ऊँचाई पर कार्य के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के अनिवार्य उपयोग, कार्य प्रारंभ करने से पूर्व जोखिमों के समुचित आकलन तथा निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के पूर्ण अनुपालन की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि जब प्रत्येक कर्मचारी सुरक्षा को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करेगा, तभी संगठन का ÷शून्य दुर्घटना÷ का संकल्प वास्तविकता में परिवर्तित होगा। कार्यक्रम के समापन पर कार्यपालक निदेशक (संकार्य) कुमार ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों को सुरक्षा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बार एवं रॉड मिल के विभागाध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम एवं यूआरएम) योगेश शास्त्री सहित विभागीय कार्यपालक, गैर-कार्यपालक कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्मिकों ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक कार्य का निष्पादन निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं कार्य-पद्धतियों के अनुरूप करने तथा सुरक्षित कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र के ÷शून्य दुर्घटना÷ लक्ष्य की प्राप्ति में अपना सक्रिय एवं सार्थक योगदान देने का विश्वास दिलाया।

मुख्यमंत्री साय PARAS पोर्टल के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की समीक्षा

सीएम हेल्पलाइन, एग्रीस्टैक, डिजिटल फसल सर्वेक्षण और पीएम पोषण योजना की जिलों के कलेक्टरों से की विस्तृत समीक्षा

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पोर्टल (प्रोजेक्ट असेसमेंट, रिव्यू एवं एनालिसिस सिस्टम) के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विस्तृत समीक्षा की। बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर शामिल हुए। दुर्ग जिले से कलेक्टर अभिजीत सिंह एनआईसी कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक में मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाइन 1076 की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टरों को प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता एवं समयबद्ध तरीके से संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन का उद्देश्य आम नागरिकों को विभागों के चक्कर लगाए बिना उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान उपलब्ध कराना है, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 721 अधिसूचित सेवाएं प्लेटफार्म के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन सेवाओं को अभी तक ऑनलाइन नहीं लाया गया है, उन्हें भी शीघ्र सेवा सेतु से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों, कॉमन सर्विस सेंटर तथा अटल सेवा केंद्रों के माध्यम से सेवा सेतु का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिकाधिक नागरिक घर के निकट ही ऑनलाइन सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीमांकन संबंधी प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने सभी कलेक्टरों को नियमित समीक्षा कर ऐसे मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री साय ने एग्रीस्टैक पोर्टल पर किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने तथा लंबित बकेट क्लेम प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही 30 सितम्बर 2026 तक सभी गांवों में डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य शत-प्रतिशत पूरा करने पर जोर दिया।

सरयू पारीण ब्राह्मण समाज ने कार्यकारिणी की घोषणा : नागेन्द्र पांडेय कार्यकारी अध्यक्ष, समाजसेवी विष्णु पाठक को सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष तथा युवा नेता लोकेश पांडे को युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत

भिलाई। सरयू पारीण ब्राह्मण समाज की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक गुरुवार को ब्रह्म प्रकाश भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष प्रभु नाथ मिश्रा ने की, जबकि संचालन महासचिव रामलखन मिश्रा ने किया। बैठक में समाज की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।भवन विस्तार और सामाजिक गतिविधियों पर जोर-बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष प्रभु नाथ मिश्रा ने समाज द्वारा अब तक किए गए सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज लगातार सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है और भविष्य में भी यह सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने समाज के भवन निर्माण एवं विस्तारीकरण की प्रगति से भी सदस्यों को अवगत कराया तथा सभी से सहयोग की अपील की। तीन प्रमुख पदों पर नई नियुक्तियां-समाज की गतिविधियों को और अधिक गति देने तथा संगठन का विस्तार करने के उद्देश्य से अध्यक्ष ने नई जिम्मेदारियों की घोषणा की। वरिष्ठ सदस्य एवं पदाधिकारी नागेन्द्र पांडेय को कार्यकारी अध्यक्ष, समाजसेवी विष्णु पाठक को सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष तथा युवा नेता लोकेश पांडे को युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।घोषणा के बाद उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने तीनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत एवं सम्मान किया। सभी ने विश्वास जताया कि नई जिम्मेदारियों से समाज की गतिविधियों में और अधिक गतिशीलता आएगी तथा संगठन और मजबूत होगा।15 अगस्त को होंगे दो प्रमुख कार्यक्रम-महासचिव रामलखन मिश्रा ने बताया कि समाज की पूर्व निर्धारित कार्ययोजना के तहत 15 अगस्त को सुबह 10 बजे ब्रह्म प्रकाश भवन में ध्वजारोहण किया जाएगा। वहीं, इसी दिन दोपहर 2 बजे महिला प्रकोष्ठ की ओर से हरियाली तीज उत्सव एवं गीत-संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी समाजजनों से दोनों कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया।सदस्यों ने दिए संगठन को मजबूत बनाने के सुझाव-बैठक में उपस्थित कार्यकारिणी सदस्यों ने आगामी कार्यक्रमों और समाज के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव रखे। संगठन की सक्रियता बढ़ाने, युवाओं और महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने तथा सामाजिक गतिविधियों का दायरा विस्तारित करने पर भी चर्चा हुई।

1,600 नामों से शुरू हुई प्रक्रिया, लगभग 400 नाम हटाए गए, स्वीकृत शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी

शिक्षकों के बहुप्रतीक्षित तबादले का इंतजार खत्म, अंतिम सूची जारी

रायपुर। प्रदेश के शिक्षकों के लंबे समय से प्रतीक्षित स्थानांतरण को लेकर आखिरकार शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं। स्थानांतरण के लिए तैयार सूची की कई स्तरों पर जांच और समीक्षा के बाद अंतिम रूप से स्वीकृत शिक्षकों के तबादला आदेश जारी किए गए हैं। इससे स्थानांतरण का इंतजार कर रहे शिक्षकों और उनके परिवारों को राहत मिली है।विभागीय स्तर पर तैयार प्रारंभिक सूची में करीब 1,600 शिक्षकों के नाम शामिल थे। इसके बाद सूची की समीक्षा कर संख्या कम करने के निर्देश दिए गए और करीब 1,000 शिक्षकों की संशोधित सूची तैयार की गई। अंतिम परीक्षण के दौरान निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं पाए गए करीब 400 नामों को सूची से बाहर कर दिया गया। इसके बाद शेष पात्र शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए।

विद्यार्थियों की पढ़ाई को दी प्राथमिकता

शिक्षा विभाग ने स्थानांतरण प्रक्रिया में विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित को प्राथमिकता दी। युक्तियुक्तकरण से प्रभावित शिक्षकों, एकल शिक्षकीय विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों तथा ऐसे मामलों का परीक्षण किया गया, जिनमें स्थानांतरण के बाद संबंधित विद्यालय शिक्षकविहीन हो सकता था। इसके अलावा अधिसूचित क्षेत्र से गैर-अधिसूचित क्षेत्र में स्थानांतरण के प्रकरण तथा अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों के मामलों को भी अंतिम सूची तैयार करते समय ध्यान में रखा गया।विभाग का स्पष्ट मत रहा कि किसी शिक्षक के स्थानांतरण के कारण विद्यालय में शिक्षकों की कमी नहीं होनी चाहिए और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। इसी आधार पर प्राप्त आवेदनों और विभिन्न स्तरों से मिली अनुशंसाओं के बाद प्रत्येक प्रकरण का विभागीय स्तर पर परीक्षण किया गया।

कई स्तरों पर हुई जांच

सूत्रों के अनुसार, शिक्षकों से प्राप्त आवेदनों और विभिन्न स्तरों से मिली अनुशंसाओं के आधार पर स्थानांतरण के प्रस्ताव तैयार किए गए थे। प्रारंभिक सूची से लेकर अंतिम सूची तक कई स्तरों पर परीक्षण और छंटनी की प्रक्रिया अपनाई गई। इसी दौरान करीब 400 नाम अंतिम सूची से बाहर किए गए। अंतिम रूप से स्वीकृत शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी होने के साथ ही लंबे समय से चल रहा इंतजार समाप्त हो गया है। अब संबंधित शिक्षकों की नजरें अपने नए पदस्थापना स्थल पर टिकी हैं।

ऑनलाइन तबादला व्यवस्था पर भी मंथन

वर्तमान स्थानांतरण प्रक्रिया के बाद शिक्षा विभाग भविष्य की तबादला व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सरल और तकनीक आधारित बनाने पर भी विचार कर रहा है। विभागीय स्तर पर शिक्षकों से ऑनलाइन आवेदन लेने की व्यवस्था लागू करने को लेकर मंथन जारी है। यदि ऑनलाइन व्यवस्था लागू होती है तो शिक्षक निर्धारित पोर्टल के माध्यम से स्वयं स्थानांतरण के लिए आवेदन कर सकेंगे।

इससे आवेदन प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ने, दस्तावेजों के डिजिटल प्रबंधन, आवेदन की ऑनलाइन निगरानी और समयबद्ध निराकरण में मदद मिलने की उम्मीद है। शिक्षा विभाग अन्य राज्यों में लागू ऑनलाइन स्थानांतरण प्रणालियों का भी अध्ययन कर रहा है। तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं के परीक्षण के बाद शासन स्तर पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल वर्तमान प्रक्रिया के तहत अंतिम सूची में शामिल शिक्षकों के आदेश जारी हो चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com